पुस्तकालय

2487
14/12/05

सत्यमेव जयते

असंशोधित

6 DEC 2005

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 2–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर रहित)

स० मु० (एल० ए० 220--गानो--1,000--8-6-2004

टर्न– 15/बिपिन/06.12.2005

श्री देवनाथ यादव, स०वि०स० की ध्यानाकर्षण सूचना तथा उस पर सरकार (ग्रामीण विकास विभाग) की ओर से वक्तव्य ।

श्री देवनाथ यादव : अध्यक्ष महोदय, गया जिलान्तर्गत शेरघाटी अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों में काम के बदले अनाज योजना में करोड़ों रूपये की लूट की जांच कर प्रतिवेदन देने का आदेश ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव के पत्रांक–7260, दिनांक 27–9–2005, 6487, दिनांक 5–10–05 दिनांक 5443 दिनांक 28–7–05 एवं पत्रांक–8923 दिनांक 24 नवम्बर, 2005 द्वारा जिला पदाधिकारी, गया को दिया गया है, परन्तु आज तक वर्णित आदेशों के आलोक में जॉच नहीं की गयी जिस कारण करोड़ों रूपये का लूट करने वाले दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई नहीं हो सकी।

अतः उक्त मामले की जॉच कर दोषी पर कार्रवाई करने हेतु मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ ।

श्री वैद्यनाथ प्रसाद महतो (मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, इसका उत्तर अभी प्राप्त नहीं हुआ है, इसका जवाब कल देंगे ।

अध्यक्ष : अब ध्यानाकर्षण समाप्त हुआ ।

सभा मेज पर कागजात का रखा जाना

अध्यक्ष : प्रभारी राज्य मंत्री सहकारिता ।

श्री रामजी ऋषिदेव (राज्य मंत्री) : महोदय, मैं बिहार राज्य भंडारण निगम का 44वॉ वार्षिक प्रतिवेदन 2000–2001 की एक प्रति भंडार निगम अधिनियम–1962 की धारा–31(11)के तहत सदन की मेज पर रखता हूँ ।

अध्यक्ष: अब सभा की कार्यवाही 2.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-१६/मधुप/६.१२.०५

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया ।)

अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

वित्तीय कार्य

वित्तीय वर्ष २००५-०६ के आय व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की माँगों पर वाद-विवाद तथा मतदान ।

अध्यक्ष : नगर विकास विभाग के अनुदान की मांग पर वाद-विवाद एवं सरकार का उत्तर तथा मतदान होगा । इसके लिए कुल ३ घंटे का समय निर्धारित है । विभिन्न दलों को उनकी संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है एवं इसी में सरकार के उत्तर के लिए भी समय दिया जाएगा :-

जनता दल (यूनाइटेड)	- ६५ मिनट
भारतीय जनता पार्टी	- ४० मिनट
राष्ट्रीय जनता दल	- ४० मिनट
लोक जनशक्ति पार्टी	- ७ मिनट
कांग्रेस पार्टी	- ७ मिनट
भाकपा (माले)	- ७ मिनट
बहुजन समाज पार्टी	- ४ मिनट
सी०पी०आई०	- २ मिनट
समाजवादी पार्टी	- २ मिनट
मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी	- २ मिनट
नेशनल कांग्रेस पार्टी	- २ मिनट
अखिल जन विकास पार्टी	- २ मिनट
निर्दलीय	- ५ मिनट

डॉ० रामचन्द्र पूर्वे : महोदय, ...

अध्यक्ष : पहले सुन तो लीजिए, पुट तो कर लेने दीजिए ।

डॉ० रामचन्द्र पूर्वे : मैं व्यवस्था के सवाल पर बोल रहा हूँ । महोदय, बजट २००५-०६ के अनुदान माँगों पर वाद-विवाद एवं मतदान है । सुविधा के लिए, चूँकि जेनरल बजट को जल्दी में पास कराना था इसलिए सभी विभागों के अनुदान माँगों पर अलग-अलग चर्चा नहीं हो सकती थी । इसलिए एक सहमति बनी कि एक ही विभाग पर चर्चा हो और शेष गिलोटिन में रखा जाए ।

महोदय, जब ऐसी परिस्थिति रहती है तो यह परम्परा रही है कि जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन पर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग की मांग पर कटौती प्रस्ताव आता है और उसी पर चर्चा होता है ताकि सभी माननीय सदस्यों को व्यापक रूप से एडमिनिस्ट्रेशन पर चर्चा करने का मौका मिले, सभी विभाग उसमें सम्मिलित हो जाता है लेकिन आज पहली दफा देखा जा रहा है, हालाँकि उसपर भी कटौती प्रस्ताव था लेकिन उस कटौती प्रस्ताव को स्वीकृत नहीं करके नगर विकास विभाग को ही आपने अनुदान की माँग पर माननीय मंत्री को रखने के लिए अनुमति दी है।

महोदय, मैं समझता हूँ कि इस सदन की हमारी जो परम्परा थी, उसका कहीं न कहीं उल्लंघन हुआ है । जो बजट हम पेश कर रहे हैं, जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन पर सभी माननीय सदस्य भाग लेते लेकिन यह परिस्थिति पैदा हो गई है । इसमें हमारा ऑब्जेक्शन है, इस तरह की व्यवस्था नहीं होनी चाहिए ।

अध्यक्ष : माननीय प्रभारी मंत्री, नगर विकास विभाग ।

श्री भोला सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ एक मिनट आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ । इस सदन में भी कम से कम ३०-३५ वर्षों का मेरा अपना अनुभव है कि जब इस तरह के प्रस्ताव आते हैं आय-व्ययक पर या प्रथम अनुपूरक पर तो उसमें जो जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन है जिस पर सम्पूर्ण सदन बहस कर सके, वही विचार-विमर्श के लिए आता है और जितने सभी डिमांड हैं, वे गिलोटिन पर चढ़ते हैं । तो हमारा आग्रह होगा कि परम्पराएँ भी हैं, परम्पराएँ भी नियम हो जाते हैं, परम्पराएँ प्रक्रिया भी बन जाते हैं और यह सदन की सुविधा के लिए, माननीय सदस्यों की सुविधा के लिए है, वैसे अध्यक्ष महोदय, जो आपका आदेश होगा वह सर्वोपरि है । लेकिन परम्परा भी रही है, अगर आज परम्परा से हटकर किया जाता है तो यह आपका निर्णय है लेकिन मैं परम्पराओं की बात कर रहा हूँ ।

अध्यक्ष : माननीय भोला बाबू, आप सदन की कार्यवाही से पूर्ण रूप से अवगत और जानकार सदस्य हैं, यह विषय सरकार के अधीन का है ।

श्री जगदानन्द सिंह : महोदय, आप नियमन देने जा रहे हैं इसलिए मैं भी कुछ कहना चाहता हूँ ।

महोदय, हम सबों को इसमें एतराज नहीं है, सरकार क्या चाहती है, सरकार तो जो चाहेगी, वही होगा, बहुमत दल का मतलब होता है - सरकार । लेकिन यह सदन उससे एक अलग ऐसी चीज है जिसमें सरकार को भी असुविधा न हो और सदन के सभी सदस्यों को भी असुविधा न हो। महोदय, आपको याद होगा, यह परम्परा सबों की जानकारी में है कि सप्लीमेंटरी, बजट का ही एक स्वरूप होता है छोटे दायरे में, लेकिन जब सप्लीमेंटरी आते रहे हैं तो कई विभागों पर बहस नहीं करके एक विभाग पर कट-मोशन आता है और बराबर जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन पर ही कट-मोशन आते रहे हैं । आज शायद बिहार विधान सभा की यह पहली घटना होगी कि जो बजट एक दिन में गिलोटिन के द्वारा पास होने जा रहा है, चूँकि समय की कमी है, हमलोगों ने भी एतराज नहीं किया, एतराज कर भी नहीं सकते हैं । आखिर सदन सरकार की सुविधा के साथ-साथ जो विपक्ष है उसको अपनी बात कहने के लिए भी है । अगर सरकार जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन पर अपना डिमांड लाती तो निश्चित रूप से कानून, नियम, प्रक्रिया, परम्परा, सभी का पालन होता ।

....क्रमशः ...

श्री जगदानंद सिंह : (क्रमशः) नगर विकास और जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन में क्या फर्क है ? अगर हम नगर विकास की बात करेंगे तो बिहार के सभी बातों को हम समाहित नहीं कर सकते हैं उसके भीतर, क्योंकि यह एक विशेष वाद-विवाद है, इसकी एक विशेष स्थिति है, शहरों तक इसकी सीमायें हैं, हम शहरों की सुविधायें की बात कर सकते हैं लेकिन हम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वे सदन को मौका दे, हमारे पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर साहेब भी हैं, हमारे यहां और भी एक से एक पुराने सदस्य हैं, यह पहली बार हो रहा है, बजट गिलोटीन से होगा और गिलोटीन के वक्त वह विषय लिया गया है, जिसमें सदन को अपनी राय व्यक्त करने का मौका नहीं मिलेगा । वह राय क्या होती है, सरकार के लिए सलाह होती है, केवल आलोचना नहीं होती है, इसलिए महोदय, मैं समझता हूँ कि अभी भी समय है, कोई एजेंडा में मांगों शब्द आया है, किसी मांग की बात नहीं आयी है । सरकार को सुविधा है, अभी भी सरकार चाहे तो उस परम्परा और नियम का निर्वाह करते हुए सदन को विश्वास में ले करके ऐसा विषय रखे, जिसमें व्यापकता हो और बिहार के सभी विभागों को, सरकार के सभी विभागों को, सभी समस्याओं को समाहित किया जा सकता है । महोदय, आपका आसन बहुत बड़ा ऊँचा है, मैं इसलिए कह रहा हूँ कि ऊँचे आसन से बिहार को ऊँचा ले जाने का ही कार्य होता है । सदन में कोई ऐसी परम्परा नहीं डाली जाय कि आने वाले समय के लिए ऐसा पूर्व उदाहरण बन जाय कि सदन की गरिमा गिरे और इस बिहार की समस्याओं का निदान नहीं हो सके ।

श्री नवीन किशोर प्र०सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, माननीय जगदा बाबू ने जो विषय रखा, उस संदर्भ में चूँकि इस बजट में जो कमी थी, उसको बजट के रूप में पुनः एन०डी०ए० को रखना पड़ा । यह बजट निश्चित रूप से इनकी सरकार ने राष्ट्रपति शासन के दौरान बनाया और इनके खामियों के बारे में पूरी तरह से आर०जे०डी० के लोग और कांग्रेस के लोग जानते हैं ....

(व्यवधान)

हम तो आपके बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं, अगर कह रहे हैं तो उसको सुनना भी चाहिए......

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री ।

श्री रामाश्रय प्र०सिंह,मंत्री : माननीय सदस्य इस सदन के सिनियर सदस्य हैं, जगदा बाबू ने जो बात उठायी है, इसमें एतराज हमारा नहीं है । लेकिन सामान्य रूप से पूरे बजट पर डिसकसन होने जा रहा है और दो दिन से इसी संदर्भ में बहस चल रहा है । अब उस बीच में जो हमारे माननीय नगर विकास मंत्री अपनी बात रखेंगे, उसमें भी रेफर करने जा रहे हैं जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन और अगर जिससे संबंधित आज बात कर रहे हैं, कोई डिवियट करके बात नहीं कर रहे हैं । इन्होंने भी कहा है कि सरकार को अधिकार है कि सरकार की ओर से किसी भी विषय पर आप बहस कराये या करें । लेकिन साथ-साथ हम यह भी कहना चाहते हैं कि माननीय मंत्री नगर विकास जो बात रखने जा रहे हैं, वो उसके साथ-साथ उनकी जो चिन्ता है, उन बातों का भी वे रेफरेंस करेंगे । इसलिए इसमें कोई अनियमितता नहीं होने जा रही है और इसमें आपकी आज्ञा चाहेंगे ।

अध्यक्ष : मंत्री प्रभारी नगर विकास विभाग, अपनी मांग प्रस्तुत करें ।

डा० रामचन्द्र पूर्वे : अध्यक्ष महोदय, इसपर आपका नियमन हो जाय ताकि भविष्य में यह पूर्वग बने ।

अध्यक्ष : पूर्वे जी, आप वरिष्ठ सदस्य हैं, श्री जगदा बाबू भी बोल रहे हैं, ये जो आप अभी उठा रहे हैं, इसमें पूर्ण रूप से वित्तीय कार्य सरकार की ओर से आती है और सरकार में अभी तैयारी, जिस बिन्दु को आप कह रहे हैं, वह तैयारी करने में समय लगेगा, इसलिए अभी वह संभव नहीं है । उन्हीं बिन्दुओ को हमलोग उठायें जो संभव है । इसलिए मंत्री प्रभारी नगर विकास विभाग ।

टर्न-१७/आजाद/६.१२.२००५

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि :-

" नगर विकास विभाग के संबंध में ३१ मार्च,२००६ को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा,उसकी पूर्त्ति के लिए ३,०२,२९,३७,००० (तीन अरब दो करोड़ उनतीस लाख सैंतीस हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।

यह प्रस्ताव राज्यपाल की सिफारिश पर किया गया है ।

अध्यक्ष : इस मांग पर श्री हरिभूषण ठाकुर के कटौती का एक ही प्रस्ताव प्राप्त हुआ है । जिसका क्रमांक-५१ है । श्री हरिभूषण ठाकुर ।

श्री हरिभूषण ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि :-

" इस शीर्षक की मांग १० रूपये से घटायी जाय । "

अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में प्रस्तुत नगर विकास विभाग के बजट प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । महोदय, गांव की स्थिति तो पहले से खराब है ही, शहर की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है । शहर की जो स्थिति है, तीन तरह के शहर हैं अपने बिहार में, ५-६ शहर में नगर निगम है । नगर निगम में हाईकोर्ट का एक आदेश आया है, जिसके तहत आप मेयर को ५ साल हटा नहीं सकते हैं , इसलिए मेयर का मनमाना हो गया है । फिर जिला परिषद है, नगर परिषद है और नगर पंचायत है । नगर परिषद जैसे हमारे यहां मधुबनी में है,वहां पर ऐसी स्थिति है श्रीमान् कि वहां पर न तो पीने का पानी है और न चलने का सड़क है , कुछ काम तो हुआ है । हमारे नगर विकास विभाग के मंत्री का मंशा जो है, वह बहुत साफ है । उनकी मंशा है कि नगर में विकास हो । हमलोग भी चाहते हैं कि बिहार का नगर ऐसा बने, जिस तरह दूसरे राज्यों का नगर है । लेकिन जो मूलभूत छोटी-छोटी समस्यायें है, वह नगरों में नहीं है । आने वाली सरकार जो अभी सरकार है, पिछली सरकार की तो बात ही नहीं की जाय, अभी की जो सरकार है, वह दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ काम कर रही है। हमारे नगर विकास मंत्री दृढ़ संकल्प शक्ति के साथ काम कर रहे हैं । हमलोग चाहते हैं कि सड़क, बिजली, पानी की जो समस्यायें हैं,...............

श्री भोला सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था पर खड़ा हूँ । व्यवस्था यह है, अध्यक्ष महोदय प्रश्न यह है कि माननीय सदस्य सत्तारूढ़ पक्ष के साथ हैं, कटौती का प्रस्ताव आपने इनको मुव करने के लिए दिया, सरकार को ये समर्थन करेंगे तो ये कटौती का प्रस्ताव कैसे मुव करेंगे ?

श्री हरिभूषण ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, सरकार में रह करके विरोध करना बहुत बड़ी बात है । हम निर्दलीय हैं ।

श्री भोला सिंह : यह गलत बात हो रही है, ऐसा नहीं कीजिए ।

श्री हरिभूषण ठाकुर : हम निर्दलीय है, हमको बैठने की व्यवस्था नहीं है, इसलिए अध्यक्ष जी, पटना जैसे नगर में शहर क़ी ऐसी स्थिति है कि सड़कों पर जानवर टहलता है.......

(व्यवधान)

डा० रामचन्द्र पूर्वे : महोदय, माननीय सदस्य श्री भोला सिंह ने ठीक ही बात उठाया है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य सत्तारूढ़ दल के साथ नहीं हैं ।

श्री हरिभूषण ठाकुर : महोदय, पटना शहर में कहीं कोई पार्क की व्यवस्था नहीं है, कहीं कोई ठहराव की व्यवस्था नहीं है, कहीं कोई रैन बसेरा की व्यवस्था नहीं है लेकिन यह सरकार , लेकिन मंत्री जी का जो संकल्प शक्ति है, उससे हमारे नगरों का विकास होगा ।

डा० रामचन्द्र पूर्वे : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि कटौती प्रस्ताव का समर्थन करते हैं..........

श्री विजेन्द्र प्र०यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, पूर्वे जी, संसदीय कार्य मंत्री भी रहे हैं । क्या आपके कार्यालय को माननीय सदस्य ने लिखकर दिया है कि हम सरकार का समर्थन करते हैं । निर्दलीय सदस्य दे भी नहीं

सकते हैं ,तब यह अनावश्यक रूप से नियम-प्रक्रिया के विपरित कोई बातें नहीं हो रही है ....

(व्यवधान)

आप जरा सुनिए और इसके बाद भी संसदीय परम्परा के अनुरूप और टेंथ शिडुल में जो एमेंडमेंड हुआ, कोई भी निर्दलीय सदस्य किसी दल में शामिल नहीं हो सकते हैं । कोई ग्रुप नहीं बना सकते हैं । उनकी इच्छा है कि सरकार के किसी मामले का समर्थन करें, किसी में विरोध करें, यह तो विपक्ष में भी होता है, इसलिए यह कोई नियम, आपत्ति है ही नहीं महोदय। यही मेरा आपसे आग्रह करना था ।

(व्यवधान)

श्री हरि भूषण ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, गांवों से रोजी-रोटी कमाने के लिए बहुत सारे लोग शहर में बस गये हैं । आज मधुबनी में ही चकवा है और भंवारा साइट में बहुत गाँव है, जहाँ ग्राम पंचायत है, उसको शहर माना जाय । अगर शहर मान लेते हैं तो सरकार को उससे टैक्स भी मिलेगा ।

(व्यवधान)

मैं निर्दलीय हूँ और गुण-दोष के आधार पर सरकार का विरोध करना गर्व की बात है इसलिए अध्यक्ष जी, ये लोग विकासविरोधी हैं ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस पार्टी, लोक जन शक्ति पार्टी,माकपा के, माननीय सदस्यगण सदन से वाकआउट कर गये)

श्री हरि भूषण ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, हमलोग मधुबनी से आते हैं, अभी वहाँ जो ग्राम पंचायत है, उसको शहर से जोड़ा जाय, इससे सरकार को भी फायदा होगा, टैक्स की प्राप्ति भी होगी । है तो वह शहर में लेकिन उसको शहर की सुविधा नहीं मिल रही है । मधुबनी का चकदह, बेनीपट्टी, कमतौल आदि छोटे-छोटे शहर हैं, उनको शहर का दर्जा दिया जाय । पेय जल की स्थिति पटना से लेकर पूरे शहर की खराब है । सड़कों पर पानी बहते रहता है । सड़क भी टूटी हुई है । बिजली, पानी, पार्क और सड़क आदि की व्यवस्था बिहार में ऐसी हो ताकि उसकी तुलना कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और दिल्ली जैसे शहरों से हो और दूसरे राज्यों से आकर लोग हमारे शहर को देखे। बड़ा-बड़ा पार्क बनाये जायें, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ ।

श्री राम विनोद पासवान : अध्यक्ष महोदय, नगर विकास मंत्री के द्वारा जो मांग लाया गया है, उसके संबंध में माननीय मंत्रीजी का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहना चाहता हूँ कि आज पूरे राज्य के अन्दर जो नगर हैं, उनकी स्थिति दयनीय अवस्था में है । राजधानी सहित सभी जगह जल-जमाव की समस्या है । जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है और समुचित व्यवस्था नहीं रहने से शहरों में रहनेवाले लोग संक्रामक बीमारी के शिकार हो रहे हैं । चलने लायक अच्छी सड़कें भी नहीं हैं, यह तो आज की बिहार के शहरों की हालत है । शहरों के अन्दर वर्षो-वर्षो से गांव से आये हुए लोग आज भी फुथफाथ पर रहने के लिए विवश हैं । छोटी-छोटी झोपड़ियों में गुजर-बसर करने के लिए वे मजबूर हैं। इसलिए हम आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि स्वच्छ, स्वस्थ्य नगर बने, अच्छी सड़कें बने । जो इन्सान फुथफाथ और झोपड़ियों में रह रहे हैं, उन्हें पक्का आवास मिले, इसके संबंध में माननीय मंत्री जी अपने जवाब में सारी चीजों की जानकारी देंगे । इसके साथ-साथ माननीय मंत्री जी का ध्यानाकृष्ट करते हुए कहना चाहता हूँ कि नगर निगम के जो कर्मचारी हैं, उन्हें आये दिन समय पर वेतन का भुगतान नहीं होने से हड़ताल पर लगातार जा रहे हैं । उनके जिम्मे जो सफाई और रख-रखाव की जबाबदेही है, समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण वे अपनी जबाबदेही को पूरा नहीं कर रहे हैं । इसलिए हम चाहते हैं कि वैसे कर्मचारियों को समय पर वेतन के भुगतान की गारंटी की जाय ताकि वे अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह कर सके और बेवजह हड़ताल पर न जायें ।

.....क्रमशः...

श्री रामविनोद पासवान : क्रमशः, महोदय, वे बेवजह हड़ताल पर नहीं जायें साथ ही नगर विकास के अंदर जो सृजित और स्वीकृत पद है उन पदों पर अविलंब बहाली की जाय जिससे लोगों को रोजगार मिल सके। महोदय, मैं मंत्रीजी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ बेगुसराय जिले के अंदर बखरी अनुमंडल बाजार, बलिया और तेघड़ा अनुमंडल बाजार जो नोटिफाइड एरिया के लिए प्रस्तावित है। उस प्रस्तावित अधिसूचित क्षेत्र को आनेवाले दिनों में स्वीकृति देंगे जिससे अधिसूचित क्षेत्र का दर्जा वह प्राप्त कर सके और वहां के वासी इससे लाभान्वित हो सकें, इससे विभाग को भी अच्छे राजस्व की उपलब्धि हो सकेगी। इन्हीं चंद मांगों के साथ माननीय मंत्रीजी से मैं आग्रह करता हूँ कि आप जवाब देने के क्रम में इन सवालों का भी समुचित जवाब देंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपनी बात समाप्त करता हूँ।

अध्यक्ष : माननीय श्री भोला सिंह जी।

श्री भोला सिंह : अध्यक्ष महोदय,

सिरहाने मीर के आहिस्ता बोल,
अभी टुक वह रोते-रोते सो गया है।

अध्यक्ष महोदय, माननीय नगर विकास मंत्री ने राज्य सरकार की तरफ से प्रथम अनुपूरक व्यय प्रस्तुत करते हुए नगर विकास के अनुदान पर सदन के सामने अपना डिमांड रखा है। उनके द्वारा प्रथम अनुपूरक व्यय-विवरणी का जो प्रस्ताव किया गया है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मीर काफी अच्छे शायर थे, जिंदगी की पीड़ा उन्हें सालती थी। एक दिन हिन्दुस्तान के बादशाह बहादुरशाह जफर ने उन्हें दावत पर बुलाया। मीर साहब की फटी पतलून थी, फटे कपड़े थे, पैर में बिआई फटी हुई थी। लाठी टेकते हुए जब हिन्दुस्तान के बादशाह के महल के नजदीक पहुंचे तो सिपाही ने, किसी दरबान ने कहा- ऐ बूढ़े भिखारी कहां आ रहे हो और उन्हें धक्का दे दिया। मीर साहब गिर पड़े और लौटकर चले आए। लोगों ने पूछा क्या हुआ मीर साहब दावत का तो उन्होंने कहा कि बादशाह के दरबानों ने, सिपहसालारों ने उन्हें भिखमंगा समझा और धक्का दिया इसलिए मैं लौटकर चला आया। लोगों ने कहा, मीर साहब दुनिया उधार की जिंदगी पर चलती है, ले लीजिए हमारे नवाब का सारा अचकन, सूट ले लीजिए, शेरवानी ले लीजिए और यह छड़ी ले लीजिए, आप इस रूप में बादशाह के यहां जांय। मीर साहब जब सारा चीज पहनकर बादशाह के महल के पास पहुंचे तो जिस दरबान ने, जिस सिपहसालार ने उन्हें भिखमंगा समझकर धक्का दिया था, उन्हें सलाम करते हुए कहा- आया जाय, आया जाय। जब वे वहां गए तो बादशाह ने कहा- मीर साहब बहुत देर हो गयी, मैं दावत के लिए आपकी प्रतिक्षा कर रहा हूँ। जब मीर साहब के सामने छप्पन प्रकार के भोजन आए तो मीर साहब ने कहा- बादशाह सलामत रहें, गुस्ताखी माफ हो, यहां मीर नहीं आया है, यहां नवाब आया है और इसलिए राजन यह भोजन हमारे लिए नहीं है, यह भोजन नवाब के लिए है और उन्होने अचकन और शेरवानी उतार दी और वही फटी-चिटी पतलून को लेकर बादशाह के सामने खड़े हो गए। बादशाह ने देखा कि मीर साहब बिना खाना खाए लौटकर चले गए।

महोदय, मैं इस कहानी को इसीलिए कहना चाहता हूँ कि आज संपूर्ण जीवन हमारा दिखावे का है, उधार का है और जिस बिहार के बारे में इस राज्य के माननीय मुख्यमंत्री जी ने आस्था का, विश्वास का, विकास का जो दीप जलाया है। इस अंधेरे में उस दीप को बुझाने की बहुत सारी नियति इस राज्य में उपस्थित है।

अध्यक्ष महोदय, कल मैं जगदाबाबू का भाषण सुन रहा था। जगदाबाबू ने अपने भाषण के क्रम में बड़ी निराशा प्रकट की। जगदाबाबू शब्दों के जादूगर हैं, शब्दों के शिल्पी हैं और उन्होने इतिहास के उद्धरणों को देते हुए यह प्रयास किया कि बिहार में कुछ नहीं हो सकता है। बिहार की नियति है कि बिहार पिछड़ता रहे, यह उसकी नियति है। महोदय, एक निराश व्यक्ति जो जीवन के घोर अंधेरे में जी रहा हो उसी की यह उक्ति हो सकती है।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहता हूँ कि क्या कारण है बिहार पिछड़ा रहा है। देश में आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस देश में जनतंत्र स्थापित हुआ। १९५६ में स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू ने एक कमीशन बहाल किया कि इस देश में जितने राज्य हैं आप उसकी समीक्षा करें और बताऐं कि कौन राज्य अच्छा प्रशासित राज्य है और १९५६ में उस कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इस देश में कुछ ही राज्य हैं जिसमें बिहार के बारे में कहा गया था कि "दी बेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर इन इण्डिया"। महोदय, बिहार को आगे बढ़ाने में क्या कारण है कि कांग्रेस पंजाब में भी थी, कांग्रेस हरियाणा में भी थी, कांग्रेस बिहार में भी थी, आंध्रप्रदेश में, कर्नाटक में तमाम राज्यों में कांग्रेस थी। लेकिन क्या कारण है कि पंजाब ने विकास किया जबकि उसकी जमीन हमारी जैसी नहीं है। क्या कारण है कि हरियाणा ने विकास किया जब कि उस समय उसके पास न कल-कारखाने थे, न उद्योग-धंधे थे, न पूंजी थी फिर भी ये राज्य कैसे विकास कर गए। आंध्रप्रदेश और कर्नाटक विकास के पथ पर काफी आगे बढ़ गए जब कि वहां कांग्रेस की सरकार थी।

क्रमशः....................

टर्न-२०/०६.१२.२००५
जयोतिःबबलू

श्री भोला सिंहः क्रमशः........कांग्रेस का ही राज वहां था और कांग्रेस का राज यहां है, क्यों बिहार पिछड़ गया ? बिहार के पिछड़ने का एक बड़ा कारण है । बिहार को प्रकृति ने अमीर बनाया हे, जिसकी उर्वरक जमीन, जमीन के नीचे पानी, जमीन के ऊपर सैकड़ों नदियां, जलाशय, चौर और दूसरी उर्वरक जमीन और उस जमीन के रहते हुए बिहार क्यों पिछड़ गया ? इसका एकमात्र कारण है राजनीति । उस जमीन में, राजनीति में जो आए डा० श्री कृष्ण सिंह को छोड़कर, जितने उस राजनीति में आए कहीं न कहीं सामंतवाद से प्रभावित थे और यही कारण है कि जब उनके हाथ में सत्ता आयी । उड़ीसा जो पिछड़ा हुआ राज्य था आगे निकल गया और क्या कारण है कि उत्तर प्रदेश और बिहार पिछड़ता चला गया ? उसका सबसे बड़ा कारण है कि हमाना नेतृत्व था वह सामन्ती नेतृत्व दिया और उस नेतृत्व के समय बिहार में जो विकास होना चाहिए था वह विकास नहीं हुआ । अध्यक्ष महोदय अंग्रेजों के जमाने में जब अंग्रेज यहाँ थे, बिहार में उद्योग धंधे थे, बिहार के मुजफ्फरनगर में, बिहार के दरभंगा में, बिहार के कटिहार में, बिहार के भागलपुर में, बिहार के नाथनगर में, बिहार के डालमियां नगर में उत्तरी बिहार में ३० से ३८ चीनी मिलें थी । अंग्रेजों ने हमारी जमीन की पहचान की थी, उनकी किस्में तैयार की थी, उस जमीन में क्या फसल हो सकती है, यह निर्णय किया था और उसके आधार पर बिहार न केवल कृषि के क्षेत्र में बल्कि बिहार उद्योगधंधा में भी सबसे आगे था और उद्योग-धंधा में ८ प्रतिशत लोग लगे हुए थे और बिहार एक संपन्न राज्य के कतार में खड़ा हो गया था । इसी बिहार में अध्यक्ष महोदय, इसी बिहार में आप जानते हैं कि स्वर्गीय सर गणेश दत्त हुए । सर गणेश दत्त इस राज्य के ३६-३७ में मंत्री थे । मंत्री के रूप में उन्होंने एक पैसा नहीं लिया और बिहार के विकास के लिए अपने बेटे से पोती की शादी में सर गणेश दत्त ने जो कर्जा दिया, चिट्ठी लिखा लिया और जब उन्होंने कर्जा नहीं दिया तो उस ससय चिट्ठी को तामिल करने के लिए केस किया और कर्जा वसूल किया और कर्ज को वसूल करके जी०डी० हॉस्टल जो पटना विश्वविद्यालय के अंतर्गत बनवाया और इसी बिहार में ऐसे सारे लोग हुए जिन्होंने कुर्बानियाँ दी, परन्तु सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि बिहार का जो विकास हुआ था वह बिहार पिछड़ गया है उसका क्या कारण है ? जो बिहार नीतीश जी को प्राप्त हुआ है, हमारे मुख्यमंत्री को जो बिहार प्राप्त हुआ है वह डायलेसीस पर है । बिहार की शैक्षणिक संस्थाएं बेतरतीब हो करके बिखर गयी हैं । बिहार की प्राथमिक शिक्षा खिचड़ी और थालियों की झनझनाहट से भरा हुआ है और ये सारी खिचड़ी चोर बाजार के भेट में चढ़ते चले जा रहे हैं । बच्चे पढ़ने के बदले खिचड़ी के थाली लेकर के पड़े रहते हैं और वह हमारी प्राथमिक शिक्षा बर्बाद हो गयी है, माध्यमिक शिक्षा में शिक्षक नहीं है, टीचर नहीं हैं और उसका विकास अवरूद्ध हो गया है । विश्वविद्यालय का एक-एक डिपार्टमेंट , एक-एक विभाग मरणासन्न हैं , निरवंश है । यहां तक कि कहीं-कहीं तो विद्यालय में चपरासी प्राधानाध्यापक हो गया है ।

श्री भोला सिंह : यह स्थिति है सम्पूर्ण राज्य के शिक्षा व्यवस्था की और जो व्यवस्था है उसमें हमारी शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो जायेगी । शिक्षा व्यवस्था अगर नहीं रहेगी तो इस शिक्षा व्यवस्था को आप जानते हैं कि किसतरह की स्थिति बनी हुई है । स्थिति यह बनी हुई है कि सर्वशिक्षा अभियान के माध्यम से आपने जो कदम उठाया है पहले गुरु थे, गुरु से ज्ञान की प्राप्ति होती थी ,शिक्षक थे उनकी शिक्षा से अर्थ की प्राप्ति होती थी अब शिक्षा मित्र हैं और शिक्षा मित्र की जगह कौन आए हैं- मुखिया जी की बहू और मुखिया जी की पुतोहू ,मुखिया जी की बेटी आ गयी हैं , मुखिया जी के सम्बन्धी आ गए हैं और मुखिया जी के आसपास के लोग आ गए हैं ऐसे लोगों को आपने प्राथमिक विद्यालय में भर दिया है और वे अपने घरों में रहती हैं । आटा चक्की करती हैं, दाल भात रोटी पकाती है और विद्यालय में जाती नहीं है और सम्पूर्ण प्राथमिक शिक्षा तहस नहस होकर पड़ी हुई है । इस अवस्था में आज जो हमारे शिक्षक हैं दिन रात चावल गिनने में लगे रहते हैं और वह चावल का बोरा इधर से उधर करने में उनकी सारी जिन्दगी कट रही है । हमारे बच्चे क्या ग्रहण करेंगें ? सभापति महोदय, कौन सी शिक्षण ग्रहण कर रहे हैं ? दूसरी बात जो हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि कृषि, बिहार की कृषि क्या है ? आज सम्पूर्ण बिहार में उर्वरक चोर बाजार में बिक रहा है । यूरिया साढ़े तीन सौ रुपया प्रति बोरा खुला मार्केट में बिक रहा है और डी०ए०पी० ६ से सात सौ रुपया प्रति बोरा और और पोटाश जो मिल रहा है उसमें मिलावट है कोई देखने वाला नहीं हे, कोई कहने वाला नहीं है , खुलेआम लूट है और यही नहीं बीज, हमारे बीज के प्रक्षेत्र थे समाप्त हो गए । वहाँ पर चरवाहा विद्यालय खुल गया है और दूसरी चीजें हो गयी हैं और कृषि प्रक्षेत्र हमारे समाप्त हो गए । किसानों को बीज नहीं उपलब्ध है , किसानों को खाद उपलब्ध नहीं है । किसानों के बोरिंग सूखे हुए हैं किसानों के लिए सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है । जमीन के नीचे पानी है, जमीन के ऊपर का पानी और पानी का समुद्र नीचे जा रहा है ,जमीन के अंदर का पानी कहता है हमें ऊपर ले चलो और नदी का पानी कहता है मुझे खेत में ले चलो कोई ले जाने वाला नहीं है और यह डीजल - आपने डीजल पर सरचार्ज लगाया और आज डीजल ३१ से ३२ और ३३ रुपये प्रति लीटर मिलता है और उसमें १६ रुपया सरकार के अधिभार हैं । अगर सरकार १६ रुपया अधिभार नहीं लगाती तो डीजल की कीमत १६ रुपये प्रति लीटर होता और पेट्रोल की कीमत और आधी हो जाती लेकिन बिहार सरकार ने, बिहार की तत्कालीन सरकार ने डीजल पर अधिभार लगाकर किसानों को लूटा है आज यहाँ के किसानों के पैदावार की कोई कीमत नहीं है , उनके उत्पादन की कोई कीमत नहीं है । उनका दूघ ८ रुपया और ९ रुपया प्रति लीटर और आपका पानी १० रुपया प्रति बोतल तो पानी १० रुपये बोतल और दूध ८ रुपया और ९ रुपया प्रति लीटर तो यही यहाँ के किसानों की स्थिति है । कहाँ जायेंगे ये ? क्या यही समृद्धि है । किसानों की जिन्दगी में समृद्धि जो हरित क्रान्ति के माध्यम से किसानों के जीवन में जो समृद्धि आनी चाहिए थी वह समृद्धि कहाँ आयी । किसानों के घरों में समृद्धि नहीं आयी और आज हमारे राज्य के सैकड़ों किसान आत्म हत्या कर रहे हैं । अपने को मार रहे हैं उनके दू की कोई कीमत नहीं है , उनके पैदावार की कीमत नहीं है उनके जो इनपुट्स हैं उनको उपलब्ध नहीं है । महंगे दर पर वे खाद खरीदते हैं ,महंगे दर पर वे बीज खरीदते हैं और उसमें भी अधिकतर खाया हुआ बीज रहता है । महंगे दर पर एक कट्ठा पानी पटाने में ६० रुपये उनको प्राईवेट बोरिंग के मालिक को देना पड़ता इनका स्टेट ट्युववेल पड़ा हुआ है और बकरियाँ उनके नाले के नीचे घूम रही हैं ,जा रही हैं कोई देखने वाला , सुनने वाला है ? बिहार में आज यह उग्रवाद और आतंकवाद कैसे फैला है ,क्यों फैला ? बिहार की कृषि , बिहार की केवल कृषि जो है वह प्राईवेट व्यक्ति के माध्यम से राज्य की जनता की समाज की सेवा है । अगर कृषि तरक्की करती है तो बाजार में तरक्की आती है ,अगर कृषि तरक्की करती है तो नौजवान को नौकरी मिलती है अगर कृषि तरक्की करती है तो धोबी की दुकान और दूसरा जो सेक्टर है ग्रामीण जीवन में उनको

ताकत मिलती है शक्ति मिलती है मैं आपको बताना चाहता हूँ । आज क्या कारण है इसी कृषि के देवता श्री कृष्ण थे । इसी कृषि के देवता शिव थे इसी कृषि के देवता राम थे और इसी कृषि के देवता दूसरे थे विश्वकर्मा थे और आपको मालूम है कि जब हमारी आजीविका बदलती है तो जीविका के साधन बदलते हैं तो देवता भी बदलने लगते हैं जैसे भैंस थी तो हिरण होते थे और हुरिया बाबा आते थे और आज ट्रैक्टर आ गए हैं तो विश्वकर्मा आ गए हैं । परिस्थितिवश जीविका बदलती है तो देवता भी बदलते हैं कृषि आज चौपट हो गयी और इस कृषि को कोई देखने वाला नहीं है ।क्रमशः

श्री भोला सिंहः क्रमशः सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं हमको याद है इस राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री थे स्व० श्री बिंदेश्वरी दूबे जी । वे बेगुसराय गए थे । मैंने उनसे कहा दूबे जी, आप खाद, आपका बीज टेलीविजन में है, रेडियों में है जनता के दर पर वह नहीं आया है । कृपा करके आप जनता के स्तर पर जनता के घर में आप खाद और बीज पहुंचा दें । दूबे जी को बात लग गई । बड़े संवेदनशील थे । और सुबह होते होते प्रत्येक के घर पर खाद और बीज दूबे जी ने एक दिन में पहुंचाया । ये तत्कालीन सरकार की करामात थी । लेकिन पिछले १५ वर्षो से जो सरकार इस राज्य में काम कर रही थी उस सरकार ने किसानों को फूटी आंख भी नहीं देखा । उनके पैदावार के लाभप्रद मूल्य तत्कालीन केन्द्र सरकार ने देने के जब कदम उठाये सभापति महोदय तो सरकार के तत्कालीन मंत्रियों ने कहा ये आपका कमोडिटीज है ये आपका वोट बैंक है इसे आप देखें । जनता वोट बैंक बनकर रह गयी । सभापति महोदय, कृषि ही नही मैं आज आपसे कहना चाहताहूं कि बिहार उग्रवाद से ग्रसा हुआ है । बिहार उग्रवाद से ग्रसित है । यह उग्रवाद क्यों उत्पन्न हुआ । सभापति महोदय, इस उग्रवाद के उत्पन्न होने के क्या कारण हैं ।मैं आपसे बताना चाहता हूं आज जो उग्रवाद के पीछे एक कारण है कि बंगाल में सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति हुई और जब बंगाल में सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति हुई तो राजनीति में भी उस क्रांति का असर हुआ राजनीति में परिपक्वता आयी राजनीति में शुचिता आयी और राजनीति में जो करने वाले लोग थे उस क्रांति के गर्भ से निकलकर के उन्होंने जनता को कमोडिटीज नहीं इंसाफ और खुदा के इबादत के रूप में उसको देखा । लेकिन बिहार में सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति नहीं हुई । सामाजिक सांस्कृतिक क्रांति नहीं होने के कारण हमारे यहां अर्ध्य सामंतवाद उपस्थित है ।हमारे यहां प्रिडिटीव सोसाइटी उपस्थित है ।हमारे यहां निम्नपूंजीपति उपस्थित हैं । हमारे यहां गरीब किसान उपस्थित हैं । हमारे यहां मध्यम किसान उपस्थित हैं । हमारे यहां मझोले किसान उपस्थित हैं ।हमारे यहां सुखी किसान उपस्थित हैं । हमारे यहां धनी किसान उपस्थित हैं । हमारे यहां निम्न पूंजीपति वर्ग हैं । और इन तमाम वर्गो की समस्यायें हैं । जमीन आज भी सौ में तीस लोगों के पास अस्सी प्रतिशत जमीन है और अस्सी लोगों के पास तीस प्रतिशत जमीन है । जमीन आज भी जमीन मुट्ठी भर लोगों के हाथ में हैं । और माननीय मुख्यमंत्री जी आपने प्रतिज्ञा की, आपने संकल्प लिया है कि बिहार में कानून व्यवस्था को ठीक करेंगे । बिहार की जो सामाजिक अवस्था है बिहार की जो वर्गीय अवस्था है उस वर्गीय अवस्था में, सामाजिक अवस्था में जिस तरह से सिनेमा हो रहा है,जिस तरह से सिनेमा में खेल प्रदर्शित हो रहा है जिस तरह से बेकारी की फौज बढ़ती जा रही है जिस तरह से पश्चिमी सभ्यता और संस्कृति हमारे जीवन को प्रभावित कर रही है उसमें ३७ प्रतिशत अपराध अवश्यंभावी है । ३७ प्रतिशत अपराध यह सामान्य जीवन का सूचक है । जो हमारी सामाजिक व्यवस्था है जो पारिवारिक व्यवस्था है और जिस अंतरघात से हम पीड़ित हैं उसमें ३७ प्रतिशत अपराध अवश्यंभावी है । मैं सोवियत यूनियन गया था सभापति महोदय, मैं यूक्रेन गया था, मैं मास्को गया था, मैं लेनिन ग्राड गया था मैंने पूछा उनसे कि आपके यहां अपराध समाप्त हो गया ? उन्होंने कहा कि हम आइडियल सोसाइटी बनाना चाहते हैं । पर आइडियल सोसाइटी नहीं बना । आज भी दो तीन दिनमें एक हत्या हो जाती है । आज भी एक महींना में एक बलात्कार हो जाताहै । आज भी गांव में शराब की भट्ठी मिलती है और ७५ वर्षो के बाद देखा उन्होंने इसके लिए बहुत प्रयास किया ।

क्रमशः

श्री भोला सिंह : ... क्रमशः ....

कवायद करने के बाद जब उन्होंने देखा कि मनुष्य जहां था वहीं है । आज जो उग्रवाद के समर्थक लोग हैं, जो सामाजिक न्याय की बात करते हैं, जो जमीन लेने की बात करते हैं, क्या कारण है कि अच्छी अच्छी बात करने वाले, वे आते हैं और कहां भटक जाते हैं, जो भी उग्रवादियों के नेतागण हैं, मैं पूरी जिम्मेवारी के साथ कहना चाहता हूं, उग्रवाद आतंकवाद के जो भी नेता हैं, जो भी उसके कारकुन हैं, उनका व्यक्तिगत जीवन विलास भरा है, शहरों में, पटना में, दिल्ली में, दूसरे शहरों में महल खड़ा किये हुए हैं, अच्छी जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं । यहां महल में रह सुख सुविधा का भोग करें, वहां गरीबों का शोषण करें । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अपराध हमारे राज्य की संस्कृति बन गयी है, जीविका का एक माध्यम बन गया है और पूरे राज्य में अपराधकर्मियों ने चाहे रेलवे का ठेका हो, चाहे पी०डब्लू०डी० का ठेका हो, चाहे आर०ई०ओ० का ठेका हो, चाहे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का ठेका हो, अपराधकर्मियों ने अपने अपने प्रभाव क्षेत्र में उसका बंटवारा कर लिया है ।

सभापति महोदय, मैं समाप्त कर रहा हूं, दो मिनट में । उन्होंने अपने अपने क्षेत्र में उसका बंटवारा कर लिया है और आप यह जानिये कि कोई भी टेंडर बिना उसकी इजाजत के नहीं दे सकता, वही अकेला अपराधी पांच-पांच टेंडर भिन्न भिन्न नामों से देता है और पूरा नियंत्रण हो गया है । विकास पर उसका पूरा नियंत्रण है, सत्ता का दूसरा केन्द्र बन गया है सभापति महोदय और अगर इस पर मुख्यमंत्रीजी अंकुश लगाना चाहते हैं, कारगर ढंग से लगाने के लिये भूमि सुधार को उन्हें कारगर ढंग से उठाना पड़ेगा । भूमि सुधार के जितने मामले पड़े हुए हैं हाई कोर्ट में, हाई कोर्ट उस पर बैठा हुआ है, भूमि सुधार के मामलों को प्राथमिकता देकर आप कदम उठायेंगे तो अपराध आधा समाप्त हो जायेगा और जो अपराध का स्रोत है आप उस पर प्रहार कर सकेंगे ।

दूसरी बात जो हम आपसे कहना चाहते हैं सभापति महोदय,बड़ी विचित्र स्थिति है । हमारे राजनेता पर, तमाम राजनीतिज्ञों पर कब्जा कर लिया गया और यह विधान सभा सार्वभौम सत्ता पिछले दिनों में काले धन ने उजले धन को पीछे ढकेलना शुरू किया और पीछे ढकेलते हुए इस विधान सभा को , इस सार्वभौम सत्ता को वह अपराधी, वह आतंकवादी, उग्रवादी का समर्थन करनेवाले लोग , बाहुबली इस विधान सभा को भी काले धन की विधान सभा बनाना चाहते हैं । हम धन्यवाद देना चाहते हैं चुनाव आयोग के राव साहब को जिन्होंने एक अथक प्रयास करके इस कलंक को इस बिहार की मर्यादा को, अस्मिता को उन्होंने बचाने का काम किया । मुख्यमंत्रीजी ने दीप जलाया है, तूफानों के खिलाफ दीप जलाया है । मुख्यमंत्रीजी को धन्यवाद देते हुए हम कहना चाहते हैं, अंत में एक छोटी सी कहानी कह कर सभापति महोदय, समाप्त करना चाहते हैं । एक राजा था, उसका नाम चित्रांगद था, उसके महल के सामने एक झोपड़ी थी, उस झोपड़ी में एक बुढ़िया रहती थी, बुढ़िया के पास एक कुतिया थी, उसका नाम चित्रांगी था, संध्या होते ही राजा झोंपड़ी की तरफ आने लगता था और बुढ़िया की कुतिया चित्रांगी राजा पर भूंकने लगती । इस पर बुढ़िया कहती, मत भूंको चित्रांगी, जिस पर तुम भूंक रही हो वह यहां का राजा है, कोई चोर और डाकू नहीं है, अगर वह चोर और डाकू होता तो भूंकती तो मैं राजा के पास जाती फरियाद के लिये लेकिन यह राजा है, उसका ही आचरण खराब है तो भूंकने से क्या होगा, मैं किसके पास जाऊंगी फरियाद करने के लिये । इस बिहार को जिल्लत से, जहालत से एन०डी०ए० ने १५ वर्षों तक संघर्ष करके कुशासन को समाप्त करके एक अच्छे काम को अंजाम दिया है ।

...क्रमशः ...

श्री भोला सिंह (क्रमशः):- वह प्रज्ञा की धरती से आये हैं जहां बुद्ध हुए,महावीर जहाँ हुए और जहाँ पर हिंसा पराजित हुआ,उस प्रज्ञा की धरती से एक प्रकाश प्रफुल्लित हुआ है,वह प्रकाश हम सभी को आलौकिक करना चाहता है । हम सभी आभारी हैं माननीय मुख्यमंत्री ने इस जिम्मेवारी को वहन किया है और इस जिम्मेवारी को वहन करने के लिए सभापति महोदय,मुख्यमंत्री के मंत्रिपरिषद् को भी मिशन से काम करना होगा,काम करने के लिए मिशन से काम करना होगा,काम को पूरा करनी होगी और कृष्ण को जब लोगों ने अवतार स्वीकार किया तो कृष्ण ने अपने मामा की हत्या की,कृष्ण ने नकली कृष्ण जो बन रहा था,उसकी हत्या की और जब कृष्ण ने अपने रिश्ते की हत्या की,तब जनता ने उन्हें नायक माना,जब कृष्ण कालिया दह पर जाकरके सांप के उपर नर्तन करने लगे,संपूर्णता विष से भरा हुआ था, संपूर्ण विहार कालिया विष से भरा हुआ है,लेकिन कृष्ण उत्पन्न हुआ है वह इसपर नाचे विषधारी मत डोल मेरा आसन बहुत कड़ा है कृष्ण आज लघुता में भी सापों से बहुत बड़ा है । तान-दान फल ब्याहेमें भी घुसकर बॉसुरी बजाऊ,ये सारी विषधर,कदम-कदम पर ये विषधर फन फैलाये हुए है,विधान-सभा पिछले १५ वर्षों से कटघरे में खड़ी रही है,कार्यपालिका कटघरे में खड़ी रही है,आज बिहार के १५-१५ पदाधिकारी जो आई०ए०एस० हैं,आई०पी०एस० हैं,मंत्री है,जेल. के सीकचो में जाकर आबद्ध हो गये हैं और उन्हें जेल में जाकर सारी सुविधाएँ दी गयी,उन्होंने कहा कि हम जेल से शासन करेंगे,जेल से वे सशासन करने लगे,जेल एक केन्द्र बन गया शासन करने का,आईये पिछले १५ वर्षों में जो बिहार में हुआ है रेखाओं को काटने का,उसे अलग-थलग करने का जो दुष्प्रयास हुआ है,आइये एक मिशन ले करके मुख्यमंत्री जी चले हैं,एक नौजवान नई पीढ़ी का प्रकाश स्तंभ चला है,वह बड़ी प्रतिज्ञा कर लिया है और कहा है कि हम चलेंगे तो निश्चित रुप से हम इसमें सफल होंगे,बिहार की जनता आपको आर्शीवाद देती है और इसके माध्यम से हम सभापति महोदय,मैं इतना ही कहना चाहता हूँ-कहॉ तो तय था चिरागाह हरेक घर के लिए कहाँ चिरागाह मय मुयस्सर नहीं शहर के लिए। जहाँ दरिंदो के साये में धूप लगती है,चलो हम सभी माननीय मुख्यमंत्री की छाया की तरह चले ताकि बिहार एक नया बिहार बनकर रहे,सपने किसी ने बुना था,लेकिन सपने को उसने अपनी जिंदगी और अगल-बगल के लोगों के बीच रखा,इसलिए यह सपना बिहार का है,यह सपना बिहार की स्मिता का है,हम सभी माननीय मुख्यमंत्री जी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि संपूर्ण बिहार और बिहार की जनता और हम विधायकगण,उनके एक-एक बात पर,एक-एक कदम पर,हम सभी जो उनका आदेश होगा उसको पूरा करेंगे और जिन्होंने आहत होकर निराशा का स्वर अंधकार को देखा है,उसको भी हम प्रकाश की रोशनी दिखायेंगे,देखो तुम नेता बनता है,अंधकार देखता है तुम देखो प्रकाश की किरण उग गयी है,सूरज उदय हो गया है,किरणें आने लगी हैं,लाल किरणें फूट रही हैं,चिड़िया चहचहाने लगी हैं,हवा बह रही है,नया सूरज का उदय हो गया है,आओ हम सभी निष्ठा से काम करें,इन्हीं शब्दों के साथ मैं सरकार की ओर से जो प्रस्ताव आया है,उसका मैं समर्थन करता हूँ ।

श्री अमर नाथ यादव : अध्यक्ष महोदय, भाषण सुनने के बाद लग रहा है कि अब देश और बिहार में कोई ऐसी बात दूसरे को कहने के लिए नहीं बच गया है । जो कुछ लिखा गया है विधान सभा के भीतर वह केवल एक मांत्र चीज है कि लोगों को ईमानदारी से बोलना चाहिए । नगर विकास पर भी बहुत भाषण हुआ लेकिन बिहार की सच्चाई है अगर ईमानदारी से कबूल किया जाये हाऊस के भीतर, बिहार नया कैसे बनेगा जब एक करोड़ में २० लाख कमीशन लेते हैं । इस देश के अफसर उस कमीशन में एम०पी०, एम०एल०ए० और माननीय मंत्री को पहुँचाते हैं , कोई माननीय सदस्य इस कमीशन के बारे में अपने भाषण में नहीं लाये । कैसे यह नया बिहार बनेगा । कौन इस बिहार को नया बना देगा, कैसे नगर विकास का काम आगे बढ़ जायेगा , कैसे भूमि सुधार हो जायेगा ? अब सच्चाई बोलने से विधान सभा के भीतर माफी मांगना पड़ेगा । जो लोग जमीन चुरा लिये हैं, वही लोग मिनिस्टर हैं, । जो सरकारी जमीन है, उसी के कब्जा में है , जो अपराध के खिलाफ लड़ने वाले हैं, वही अपराधी को प्रोटेक्शन देते हैं । एस० पी०, दारोगा पर दबाब डालकर छुड़ाते हैं तो बिहार का अपराध कैसे रूक जायेगा । कौन रोकेगा इसको , कौन खत्म कर देगा, क्या माननीय सदस्य अभी सत्ता पक्ष में बैठे हुए हैं सोनी जी, चालाक मिनिस्टर हैं, बहुत अच्छा बोलते भी हैं और दरौली प्रचार में गये हुए थे, आप इसका जबाब दे सकते हैं? इस अपराध के जड़-मूल में क्या है, कौन लोग अपराध को बढ़ाने में शामिल हैं, क्या वही आर०जे०डी० सत्ता विपक्ष की बात कहकर बिहार की जनता को ठगने और गुमराह करने की बात क्या विधान सभा में नहीं चल रहा है ? 15 साल का हवाला देकर फिर जगदानन्द जी ने जो भाषण दिया कांग्रेस का हवाला देकर, और कांग्रेस भी बिहार और दिल्ली में जब पावर में थे तो क्या हो गया बिहार का । माननीय मुख्यमंत्री लालू जी बिहार और केन्द्र में थे तो क्या हो गया बिहार का , क्या बिहार में बाढ़ पर रोक लगेगा , क्या उस कांग्रेस के जमाने में इसी उत्तर बिहार में बाढ़ से निपटने के लिए, बाढ़ से लड़ने के लिए ३३ चीनी मिल लगाये गये थे , लालू जी के आने के बाद २८ और अभी लगभग कम से कम ८-९ चीनी मिलें चल रही हैं । हम जिस जिला से आते हैं, वह है सीवान और उत्तर प्रदेश के बोर्डर पर तीन चीनी मिलें हैं और तीनों चीनी मिल बंद हैं । हमारे यहां से पिछले बार पांच मिनिस्टर थे, इस बार कोई मिनिस्टर नहीं हैं । कहा गया कि सिवान जिला से जो लोग जीतकर आये हैं, उनमें से एक भी मिनिस्टर के लायक नहीं हैं लेकिन इसी विधान सभा के भीतर अपराध अगर आप रोकना चाहते हैं बहुत से ऐसे एम०एल०ए० जीतकर आये हैं जिनका मैं आदर करता हूँ लेकिन जो अपने विकास बारे में इस हाऊस में डी०एम० की मीटिंग में कमीशन के अलावा वे चार लाईन नहीं बोल सकते हैं , क्या ऐसे जन प्रतिनिधि ऐसे अफसरों पर रोक लगा सकते हैं ? क्या उनको कंट्रोल करेंगे या इसी गरीब बिहार की इसी गरीब जनता की बात कहकर आप अपनी व्यक्तिगत विकास की बात, अपने घर बनाने की बात- माननीय मुख्य मंत्री के तरफ से आया है कि बिहार का खजाना खाली है, लेकिन खुला शपथ ग्रहण किया गया गांधी मैदान में लाखों रूपया लगाकर, क्या यह खजाना खाली होने का संकेत है, या अभी भी बिहार का खजाना खाली है और ४हजार या २ हजार का एटेची विधायकों को उपहार में दिया जायेगा किस कानून के तहत, किस बिहार की गरीबी की तहत, तब तो माननीय सदस्य को बंद करना चाहिए और यह जो रूपया है बिहार के विकास में गरीबों की झौपड़-पट्टी में खर्च करना चाहिए । २४३ एम०एल०ए० का हिसाब कर लीजिये - एक तरफ खजाना खाली है और आपका लेने देने का सवाल है, इसमें कोई रोक की बात नहीं है ....

श्री भोला प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, मेरी व्यवस्था का प्रश्न है ।

श्री अमरनाथ यादव : सच बोलने पर प्रतिष्ठा की बात होगी , हम यह जानते ही हैं ....

सभापति (श्री हरि नारायण सिंह): माननीय सदस्य बैठिये ।

टर्न -२४/६.१२.०५/ सच्चिदा ।

श्री भोला प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य सदन के इस महफिल में आ गये । जबतक आदमी दिन के उजाले में रहता है, बड़ा चरित्रवान होता है रात के अंधेरे में उसके चरित्र की परीक्षा होने लगती है । इस महफिल में तो आप आ ही गये । माननीय सदस्यों को कोई रूपया नहीं देता है। एक करोड़ रूपया माननीय सदस्यों को नहीं देती है सरकार, हम केवल एक करोड़ रूपये की योजना सरकार को देते हैं । क्रमशः

श्री भोला सिंह- क्रमशः - हम केवल एक करोड़ रूपये की योजना सरकार को देते हैं। सरकार उस योजना का प्राक्कलन बनाती है और अपनी एजेंसी के द्वारा, सरकार अपने ओभरसीयर के द्वारा अपने पदाधिकारी के द्वारा उसका कार्यान्वयन करती है। हम सिर्फ इतना ही कहते हैं । हमको सरकार एक करोड़ रूपया नहीं देती है। किसी माननीय सदस्य को नहीं देती है और अगर ये भी जनता के प्रतिनिधि होने के नाते अगर माननीय सदस्य को यह भी सुविधा अगर उनको जनता की सेवा करने के लिए विकास के लिए तरह तरह की जिम्मेवारियां हैं, तरह तरह के उनको वादे करने पड़ते हैं, वहां से आते हैं, जनता की आकांक्षायें हैं। अगर ये भी वह नहीं कर सकते हैं, तो जो पंचायत समिति है, जो ग्राम पंचायत की स्थापना हुई है तो एम०एल०ए०कोई माने नहीं रखता है।

श्री अमरनाथ यादव- सभापति महेदय, मैं पहली बार इस विधान सभा में नहीं आया है। तीसरी बार आया हूं। १९९५ में आया था। मैं उस जिला से आत हूं जहां से एग्रीकल्चर मिनिटर थे श्री शिव शंकर यादव । माननीय सदस्य भोला बाबू से बातचीत नहीं होती होगी। बात आपकी सही है। आप बहुत अच्छी बात कहते हैं । लेकिन ईमानदारी की अगर बात आती है, एक करोड़ रूपये विकास के लिए दिये जाते हैं और आप से अनुशंसा लिया जायेगा, यह बात सही है। यह तो केवल कानूनी बात है। यह भीतर की बात है, ईमानदरी की बात दूसरी चीज है जिसे आप इन्कार नहीं कर सकते हैं । अगर इन्कार करते हैं तो बिहार का विकास शायद आपकी तीर से नहीं होग, आपका तीर मुरक्षा जायेगा। जहां बिहार है वहीं रहेगा।

व्यवधान

इसलिए महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री औरननीय सदस्यों से कहना चाहता हूं कि इस पर भी विचार कीजिये । उग्रवाद की बात जो हो रही थी, उग्रवाद के लिए दोषी कौन हैं। २० आदमियों की हत्या कीजिये ओर आपका वही एस०पी०है, २०लाख रूपया दे करके अपना नाम निकलवा लीजिये। दूसरे लोगों का नाम उस केस में जोड़वा दीजिये । यह बिहार में होता है। गरीबों के बीच जो गांधी जी का नाम लेते हैं, अच्छी बात है, गांधी जी का नाम लेना चाहिए। राजनीति बढ़नी चाहिए। भगत सिंह की जरूरत है, आज देश की आवाज है ,आज बिहार को भी जरूरत है। पड़ोसी के घर में भगत सिंह को पैदा लेना चाहिए अपने घर में नहीं । उग्रवाद की भी बात है। लाईसेंसी बंदूक, बिहार में जो ३२ परसेंट गरीब हैं, उनके हाथ में है या कि जिनके पास १००बीघा जमीन है, २००बीघा जमीन है, हजारो एकड़ जमीन है, ५० बीघा जमीन हैं उनके पतोहू के नाम से लाईसेंस है, बेटा के नाम से लाईसेंस बंदूक है, बाप के नाम से लाईसेंस है , दादा के नाम से लाईसेंसी बंदूक है। किसके लिए बंदूक राईफल रखते हैं । उस समय तो उग्रवाद नहीं था। उग्रवाद तो अब पनपा है। ये सारे लोग महात्मा गांधी का नाम लेते हैं और महात्मा गांधी जी का नाम लेकर पाकेटमारी का काम बिहार में होता है। यही बिहार की सच्चाई है। इतना ही कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं ।

श्री भूदेव चौधरी- मान्यवर सभापति महोदय, आज नगर विकास मंत्री महोदय के व्यय-विवरणी पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले मैं बिहार की जनता को बधाई देता हूं जिन्होंने प्रजातंत्र को अक्षुण रखने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हो कर आस्था और विश्वास के साथ १५ वर्षों के कुशासन से बिहार को मुक्ति दिलाई। यह सच है कि हमारा देश १५ अगस्त,१९४७ को आजाद हुआ। अभी अभी पूर्व वक्ताओं ने बहुत ही मार्मिक ओर धार्मिक वक्तव्य देकर इस सदन को अपनी ओर आकृष्ट किया । मैं उन विन्दुओं का उल्लेख नहीं करना चाहता हूं । लेकिन यह सच है कि आजादी की लड़ाई में लाखों नौजवानों ने कुर्बानी दी थी। लाखों मां-बहनों की गोद खाली हो गई थी। उनके भी कुछ अरमान थे। उनका भी कुछ सपना था। आजादी के पूर्व इस बिहार की तकदीर और मुकद्दर का फैसला करनेवाले लन्दन में, ब्रिटेन में, इंगलैंड में बैठते थे। लेकिन भारत के लाखो नौजवानों ने उस हुकूमत को ध्वस्त कर दिया जिनका सूर्य दुनियां में नहीं डूबता था।

क्रमशः

टर्न-26/सत्येन्द्र/6-12-05

श्री भुदेव चौधरी(कमशः)और एक झटके के साथ 15 वर्षो के कुशासन को बिहार की जनता ने इस हुकूमत को सामने रखकर ध्वस्त कर दिया।जितनी भी बातें होती है,महोदय,लगता है 15 वर्षो में जो कुकर्म हुए,यहां के लोग जो विकास से बंचित रहे इसी का उल्लेख हो रहा है।यह बात सच है कि आजादी के बाद अगर देश में कहीं विकास हुआ तो वह केवल कर्नाटक,आन्ध्रप्रदेश,पंजाब और हरियाणा राज्यों में हुआ और वहीं बिहार हर क्षेत्र में पिछड़ा हुआ रह गया और इस 15 वर्षो में बिहार सिर्फ एक उपहास का पात्र बनकर रह गया। सभापति महोदय,मै बताना चाहता हूँ हम यहां पांच वर्ष पूर्व भी इस सदन में आये थे इसलिए इस सदन को मै नमन करता हूँ। इतने समय में मुझे दो-तीन घटनाएं देखने को मिली, जो नये सदस्य आये है उनको खासकर मै बताना चाहता हूँ कि विगत पांच वर्षो में इस तरह की घटना कभी यहां नहीं घटी जो मैंने कल देखा।इस तरह की घटना विगत पांच वर्षो के अन्तराल में मुझे कभी देखने को नहीं मिला।उस समय मै विपक्ष में था। पिछली सरकार में इच्छाशक्ति नहीं थी,जानकारी का अभाव था, जिसका दृश्य सामने आया यही कारण है कि वे लोग जानकारी के अभाव में यहां से चले गये। सभापति महोदय,अगर आत्मा सत्य है,आध्यात्मिक दृष्टि कहा जाता है कि आत्मा बिकता नहीं है,आत्मा मरती नहीं है। अगर भागत सिंह की आत्मा यहां नजर डालती होगी तो मुस्कुराती नहीं होगी,चिल्लाती होगी,बिलाप करती होगी। बिहार में लूट,अपहरण चरम सीमा पर पहुंच गया था उच्च न्यायालय में इससे मुक्ति हेतु बिहार के लोगों ने हजारों याचिकाएं दायर किया,हजारों बार न्यायालय का निर्देश हुआ । विगत वर्षो में हजारों लोगों का अपहरण हुआ उसका आजतक पता नहीं चला आज भी उसमें से अधिकांश लापता है। 171 बच्चे जो 18 वर्ष से कम उम्र के थे उनका भी पता नहीं चला। इसलिए पता नहीं चला,हमारे अधिवक्ता ने यह बात कही कि अपहरणकर्त्ता प्रभावशाली है पुलिस इसलिए उसको खोज नहीं पा रही है।

सभापति महोदय,यहां शिक्षा का स्तर क्या है?पहले इसी बिहार में देश और दुनिया के लोग नालंदा विश्वविद्यालय में पढ़ने आते थे?अमरीका,फांस,इंगलैड के राजकुमार इसी बिहार में शिक्षा हासिल करने के लिए आते थे लेकिन सभापति महोदय,आज देश और दुनिया के लोग इस बिहार को नालंदा विश्वविद्यालय के रूप में नहीं जानता है वल्कि चरवाहा विद्यालय के रूप में जानते है। पूर्ववर्ती सरकार के समय दिवालों पर लिखा मिलता था-'गईया-बकरी चरती जाय,मुनिया बेटी पढ़ती जाय' लेकिन कभी भी इस सरकार ने इसे सही नजरों से नहीं देखा ।आज स्थिति यह है कि (कमशः)

टर्न–27 / बिपिन / 06.12.2005

श्री भूदेव चौधरी : क्रमशः आधे–से–अधिक विद्यालयों में शिक्षक नहीं । विद्यालयों में पढ़ाई नहीं । हॉस्पिटल में दवाई नहीं, कानून–व्यवस्था चौपट । उग्रवादियों के हाथों काफी लोग मारे गए। डेढ़–दो सौ कारबाइन, रायफल लूटे गये । कहीं भी शांति नहीं । बिहार में केन्द्र सरकार से जो भी राशि आई, उसका 40 से 60 प्रतिशत् राशि खर्च नहीं हो पाई । बाकी पैसा या तो चले गए वापस या सरेंडर बोले गए । मुझे याद है, एक विद्यालय है हमारे क्षेत्र में । सभापति महोदय, आपको जानकार आश्चर्य होगा कि बिहार का यह एकलौता नमूना विद्यालय है जहां एक शिक्षक हैं और चार चपरासी हैं । जिस विद्यालय को भागलपुर, बांका के लोग सेंट्रल स्कूल के नाम से जानते थे, राजकीय विद्यालय के रूप में जानते थे, वहां के विद्यार्थी आई0ए0एस0–आई0पी0एस0 बने लेकिन वहां एक भी भवन नहीं है । महोदय, हमने विगत् दिनों सत्र में आवाज उठाई थी और आश्वासन दिए गए थे लेकिन पांच वर्षों में, पन्द्रह वर्षों में लगभग 35हजार आश्वासन लम्बित है, इसलिए मैं यह बताना चाहता हूं सभापति महोदय कि इस बार सरकार अपनी बनी है, स्वच्छ सरकार बनी है और इस सरकार ने जो घोषणा किया है, वह वास्तव में बिहार के विकास के लिए काफी है ।

इसी तरह, सभापति महोदय, बिजली की हालत क्या है, ठीक ही कहा हमारे एक माननीय सदस्य ने कि ट्रांसफॉर्मर खराब हो जाए तो गांव के लोग दौड़ते–दौड़ते थक जाते थे । कई बार तो सदन में प्रश्न उठाया गया लेकिन कोई अमल उस पर नहीं हुआ । विगत् दिनों 2002 में हमने उठाया था, 58 वर्ष पूर्व ही एक बांध टूट चुका था, उसकी मरम्मत आज तक नहीं की गई । आज भी हजारों किसान उस बंजर भूमि से किसी तरह जीवन यापन करते हैं । रौंवरांड है, हमारा पैसा चला गया, टेंडर हो गया किन्तु उसके बाद भी काम नहीं हुआ । जब मैंने विगत् दिनों सत्र में उठाया था तो तत्कालीन सिंचाई मंत्री माननीय जगदा बाबू ने मुझको आश्वासन दिया था कि बरसात के बाद वह बांध बन जाएगा लेकिन आज तक नहीं बन पाया है । इसलिए, मैं बताना चाहता हूं कि कैसे विकास होगा ? मुख्य मंत्री और मंत्री में तालमेल नहीं हो, मंत्री और सेक्रेट्री तथा कमिश्नर में तालमेल नहीं हो । आधे–से–अधिक जगहों पर बी0डी0ओ0और सी0ओ0 नहीं हैं , तो कहां से काम होगा ? कानून–व्यवस्था लचर–पचर है । इसलिए मैं यह बताना चाहता हूं कि अभी हमारे सरकार को बने दस–बारह दिन ही हुए हैं लेकिन बिहार के लोगों को आभास और अनुभव होने लगा है कि बिहार पहली दिन से ही, जो गुलामी के जंजीरों में जकड़ा हुआ था, अब वह मुक्त दिखाई देगा और स्वच्छंद रूप से लोग विचरण करेंगे । महोदय, आपको जानकर आश्चर्य

होगा और मुझकों भी दर्द होता है, लेकिन महोदय, आपने देखा कि किस तरह से कुछ दिनों के अंदर सारे बन्दूक वापस आ गये ।

सभापति महोदय, बिजली के बारे में भी मैं आपको बताना चाहता हूं । बिजली की हालत बहुत लचर–पचर है और निश्चित तौर पर माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान् नीतीश कुमार जी ने घोषणा किया है कि बरौनी के ताप घर, कॉटी के ताप घर बिजली केन्द्र को चालू किया जाएगा । निश्चित तौर पर चालू किया जाएगा और जो केन्द्र सरकार से सहायता की जरूरत हो तो उसके लिए भी हमारे माननीय मुख्यमंत्री और मंत्री सक्षम हैं । उन्होंने भी घोषणा किया है कि केन्द्र सरकार से जितनी भी राशि की जरूरत होगी विकास के लिए, बिहार को आगे बढ़ाने के लिए चाहे जिस तरह की भी परेशानी होगी, उनको झेलते हुए आगे बढ़ेंगे और बिहार का नाम सिर्फ बिहार में ही नहीं, देश और दुनिया में भी नाम रौशन करेंगे । इसलिए बताना चाहता हें कि निश्चित तौर पर यहां कुछ लोग कस्में खाकर आए हैं , मैंने भी शपथ लिया है, बिहार के लोग की आकांक्षा है उनकी भी इच्छा है, उनकी भी जिज्ञासा है उनकी भी महात्वाकांक्षा है । आज स्थिति यह है कि एक सौ बच्चे अगर प्राथमिक विद्यालय की प्रथम कक्षा में ऐडमिशन लेते हैं तो.... क्रमशः....

टर्न-२८/मधुप/६.१२.२००५

श्री भूदेव चौधरी : ..क्रमशः ... तो दसवीं कक्षा तक जाते-जाते ७० बच्चा स्कूल छोड़ देता है । आज भी २० लाख परिवार बिहार में ऐसा है जिसको रहने का घर नहीं है, सभापति महोदय । ६ लाख बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, २५-३० लाख बच्चे बाल मजदूर हैं जो होटलों में काम करते हैं, जो बीड़ी बनाते हैं, जो पत्ता चुनते हैं, जो ट्रेन में बोतल चुनते हैं, जो भीख माँगते हैं । यह स्थिति आज बिहार की हो गयी है इसलिए जो सामाजिक न्याय का नाम देकर जिस सरकार ने १५ वर्षों तक शासन किया, उसने सिर्फ ८ करोड़ लोगों का खून पीया है ।

सभापति महोदय, मैं आपके आदेश का पालन करता हूँ और आपसे मैं माँग करते हुए यह कहना चाहता हूँ कि - "इस दौरे गमों की हस्ती से मुकर क्यों नहीं जाते,
अगर जीना नहीं जानते तो मर क्यों नहीं जाते ?"

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ ।

श्री गोपाल कुमार अग्रवाल : सभापति महोदय, आज इस डिबेट के माध्यम से मैं अपने कुछ विचारों को सरकार के समक्ष रखना चाहता हूँ । महोदय, भारत एक कृषि प्रधान देश है, यह गाँवों का देश है । मैं यह नहीं कहता हूँ कि शहरों का विकास नहीं हो लेकिन गाँवों को प्राथमिकता के आधार पर रखा जाय । जहाँ तक अपराध का कुछ लोगों ने जिक्र किया है, मैं यह बता देना चाहता हूँ कि आज से पिछली बार की जो अवस्था थी, हमने देखा है, हमारे माननीय शकील अहमद खाँ साहब जो पेपर्स की कटिंग सदन के समक्ष प्रस्तुत किये, मैं सरकार से और खासकर सदन के सारे सदस्यों को यह बताना चाहता हूँ कि अपराध की जो फैक्टरियाँ पिछले १५ वर्षों से बिहार में चल रही थीं, उन फैक्टरियों को बन्द करने के लिए कम से कम हमें इस सरकार को तीन महीने का अवसर देना चाहिए । इससे पहले की स्थिति में थाना, पुलिस और प्रशासन के द्वारा एफ०आई०आर० लॉज नहीं किया जाता था लेकिन आज हालात बदले हुए हैं ।

महाशय, अभी हमारे माननीय सदस्य ने कहा कि विकास में कमीशनखोरी चलती है, यह बात सच है कि आज भी जब १५ अगस्त और २६ जनवरी को हमारे नेता लम्बे-चौड़े कुर्त्ते पहन कर भाषण देते हैं तो कहते हैं कि सैंकड़ों सालों की कुर्बानियों और आंदोलन के बाद हमारे देश को यह आजादी मिली है । जब हम अंग्रेजों के द्वारा किए गए विकास कार्यों को आज भी देखते हैं तो उसको यह सर्टिफिकेट दिया जाता है कि यह अंग्रेजों के राज का किया हुआ काम है । आजाद हिन्दुस्तान में यह परिस्थिति क्यों नहीं आयी कि आज हम अपने कामों को सर्टिफिकेट दे पाते हैं ? आज हम अपने इस वित्तीय वर्ष में किए गए काम को खतम करते हैं तो हम देखते हैं कि अगले वित्तीय वर्ष में वही काम फिर से मुँह बाये हुए खड़ी हो जाती है । आखिर हम आगे कैसे बढ़ेंगे ?

माननीय सभापति महोदय, आजादी से पहले एक नियम था कि जो रानी के पेट से पैदा होता था वही देश का राजा बनता था लेकिन जब देश आजाद हुआ तो भारत के संविधान में बाबा भीम राव अम्बेदकर ने लिखा कि अब राजा रानी के पेट से पैदा नहीं होगा बल्कि करोड़ों जनता की इच्छाशक्ति से राजा पैदा होगा । वह जनता जो हमें राजा बनाकर भेजती है, जन-प्रतिनिधि के रूप में भेजती है, अगर हमारी मानसिकता कमीशनखोरी या सरकारी कामों को गलत ढंग से करने की है तो उस देश और राज्य का क्या भविष्य होगा, यह हम सभी लोग जान सकते हैं ।

महोदय, राजस्व की चोरी कौन कर रहा है, यह सारे लोग जान रहे हैं । इसलिए मैं निवेदन करूँगा, विशेषकर जो आय के स्त्रोत से संबंधित विभाग हैं, उन विभागों में सक्षम और अच्छे पदाधिकारियों को पदस्थापित किया जाय, ऊपर से नीचे तक, तो शायद इसमें कोई सुधार हो सके । माननीय सभापति महोदय, किसी भी प्रान्त के चौतरफा विकास के लिए वहाँ की अर्थ-व्यवस्था का

महत्वपूर्ण स्थान होता है और आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े इस बिहार राज्य में जहाँ कि वर्ष २००४-०५ में १३,११० करोड़ रूपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी, वहीं वर्ष २००५-०६ में १४,४६४ करोड़ रूपये का लक्ष्य रखा गया था जो कि किसी भी अन्य राज्य से कम है । वित्तीय वर्ष २००३-०४ में बिहार को उत्पाद, परिवहन, निबंधन एवं वाणिज्य-कर से कुल २,८९० करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई, जबकि पश्चिम बंगाल को ६१५२.५४ करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई, उड़ीसा को ३६०२ करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई । उड़ीसा जैसे पिछड़े राज्य से हमारे राज्य को ७१२ करोड़ रूपये कम राजस्व की प्राप्ति हुई थी ।

महोदय, जिस राज्य की राजधानियों से ८० राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों ने पलायन किया है, अपने मुख्यालय को झारखण्ड ले गये हैं, इसमें भी कम से कम ५०० करोड़ रूपये के राजस्व की हमारी क्षति हुई है । राजस्व की चोरी कौन कर रहा है, यह मैं बता चुका हूँ । महोदय, हमारे प्रदेश के किशनगंज जिला, जहाँ की हरी पत्तियों से पड़ोसी राज्य बंगाल की बीसों फैक्टरियाँ चल रही हैं, अगर हमारी राज्य सरकार द्वारा इन फैक्टरियों को प्रोत्साहन दिया गया होता तो आज हमारी आय ही नहीं बढ़ती बल्कि हमारे यहाँ के लोगों को रोजगार भी मिलता और पूरे विश्व में इस जिले की एक पहचान भी बनती ।

...क्रमशः...

श्री गोपाल कुमार अग्रवाल : (क्रमशः) बाँस, सींगठी,पोआल,पटुआ हमारे यहां पर्याप्त मात्रा में है । अगर यहां कागज की फैक्ट्री लगायी गयी होती तो हम सोचते हैं कि पूरे देश के खपत का २० प्रतिशत हिस्सा हम किशनगंज जिला से पूर्त्ति करते, इससे हमारे यहां सिर्फ आय की ही वृद्धि नहीं होती, हमारे यहां बेजरोजगारी की समस्या ही नहीं जाती, बल्कि जो हम २० प्रतिशत राशि विदेशी मुद्रा को कागज के निर्यात पर खर्च करते हैं, उसको भी हम रोकने में सक्षम होते । हमारा किशनगंज जिला जहां एक तरफ नेपाल के माओवादियों से तो दूसरी तरफ नक्सलवाद के जननी नक्सलाईट से घिरा हुआ है और तीसरी तरफ बंगलादेश से , पूरी संसाधनों के बावजूद अगर वहां उद्योगों का जाल नहीं बिछाया गया तो मैं सोचता हूँ कि आगे आने वाले समय में हमारे जिला की स्थिति नक्सलवाद, माओवादी और आई०एस०आई० से कोई नहीं बचा सकता है ? इसीलिए मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा कि समय रहते हुए अगर हम जग जाय तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होगी । हमारा एस०आर०सी० कमीशन बंगाल के विभाजन के समय १९५६ में जो एस०आर०सी० कमीशन बनाया गया था और करोड़ों रूपये मुआवजे की बात कही गयी थी, उसके रिपोर्ट को दबा दिया गया । मैं सरकार से निवेदन करूँगा कि सरकार सदन के सामने उस रिपोर्ट को पेश करे ताकि हम सुरजापूरियों को इंसाफ मिल सके ।

महाशय, हमारे क्षेत्र अन्तर्गत ठाकुरगंज प्रखंड में पिछले दो वर्षों में विधायक मद, इंदिरा आवास, सुनिश्चित या किसी भी माध्यम से जो भी पैसा मिला, यह उदाहरण मैं इसलिए दे रहा हूँ कि मैंने कहा कि जिस काम को हम इस वित्तीय वर्ष में खतम कर लेते हैं, वह आगे मुँह बाये खड़े रह जाती है । जो भी पैसे प्रखंड को खासकर के प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिये गये विकास में, उन पैसों में ४० प्रतिशत भी पैसा खर्च नहीं हुआ और देखने का मिल रहा है कि वे सारे काम जर्जर हो चुके हैं । इस पर आगे उच्चस्तरीय इनक्वायरी हो, जाँच हो तो चौंकाने वाले तथ्य सामने में आयेंगे । महाशय,इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि एक ही प्रखंड में एक ही बी०डी०ओ० सी०ओ० का काम, सी०डी०पी०ओ० का काम एवं अन्य चार-चार काम, एम०ओ० का भी काम संभालता है इस राज्य में तो हम विकास की वात नहीं कर सकते हैं ? अगर बिहार में विकास की राशि की लूट होगी तो बिहार में विकास कैसे होगा ? इसलिए जितने भी पद रिक्त है, उनको शीघ्र भरना होगा ।

महोदय, इस प्रदेश में उद्योग की बहुत बड़ी संभावना है,मगर कोई भी उद्योगपति यहां आता है और आवेदन देता है तो उद्योगपति को लोग चील की तरह नोचने में लग जाते हैं । मुझे याद है कि ३-४ साल पहले चाय की फैक्ट्री के लिए एक आवेदन दिया था तो पदाधिकारी के द्वारा, भारत सरकार के टी-बोर्ड के द्वारा हमें जो सबसीडी का एमाऊन्ट मिलता है, उसमें आधे पैसे की मांग की गई थी तो ऐसे राज्यों में हम विकास की बात कहां तक कर सकते हैं ? यह भी विचारणीय बिन्दु है ।

महाशय, समय पूरा हो गया है, कहने के लिए तो बहुत कुछ है । इस राज्य में बी०डी०ओ०,सी०ओ०, डी०डी०सी० की पोस्टिंग मैनेजिंग के आधार पर होती है, वहां भ्रष्टाचार होना स्वाभाविक है। विकास की राशि ४० प्रतिशत रिश्वत में चली जाती है । नतीजा यह होता है कि आज गरीब लोग और गरीब होते चले गये, व्यापारी जस का तस रह गया । ठीकेदार,पदाधिकारी,राजनीतिक लोग आगे बढ़ते चले गये । आज बिहार के इन्हीं नीतियों के कारण ऐसे आई०ए०एस०, आई०पी०एस० पदाधिकारी जिन्होंने अपनी पदस्थापना केन्द्र को दिये हैं, वैसे पदाधिकारियों को यहां लाकर के हम फिर से नये बिहार की कल्पना करें । मैं सरकार को आश्वासन देना चाहता हूँ कि सरकार का जो भी काम साकारात्मक होगा, इस बिहार की जनता के लिए अच्छी पहल होगी, हम अपनी पार्टी की तरफ से और हम अपनी तरफ से सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे । अच्छे बिहार का निर्माण हो, लोगों ने हमें पहली बार चुनकर भेजा है, एक मौका दिया है, हम चाहेंगे कि आपकी नैया से हम भी पार लग जायं, यही मेरी शुभकामना है । जयहिन्द ।

श्री प्रमोद कुमार : सभापति महोदय, मैं बजट प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । आपका और इस सदन का ध्यान आपके माध्यम से आकृष्ट करना चाहता हूँ कि मैं गांधी के कर्मभूमि चम्पारण मुख्यालय मोतिहारी से जीतकर आया हूँ और जो चम्पारण आजादी की लड़ाई लड़ा, जहां महात्मा गाँधी ने नीलहों के खिलाफ लड़ाई लड़े और आज उस चम्पारण की हालात यह है कि वहां का एकमात्र चीनी मिल बन्द पड़ा है । .... (क्रमशः)

(क्रमशः)

श्री प्रमोद कुमार : किसानों का पिछले वर्ष का बकाया राशि वर्ष २००२ एवं २००३ का अभीतक प्राप्त नहीं हो सका है । मोतीहारी शहर में जहाँ ४५ हजार गैलन पानी की आवश्यकता है, वहाँ पर मात्र १२हजार गैलन पानी की आपूर्ति होती है और जो भी पानी की आपूर्ति की जाती है, वह भी पानी स्वच्छ नहीं रहता है । जो पाईप बिछी हैं, उसकी स्थिति बहुत-ही जर्जर है । नल खोलने पर पानी के साथ कीड़े-मकोड़े आते हैं ।

सभापति महोदय, मोतीहारी शहर का मुख्यालय जहाँ पर्यटन केन्द्र की दृष्टिकोण से एक बहुत-बड़ा मोती झील है । उस मोती झील के विकास के लिए भारत सरकार ने पिछली बार एक पर्यटन स्थल के रूप में चयनित किया था, जिसकी संचिका अभीतक लंबित है और वह करोड़ों की योजना सचिवालय में पड़ी हुई है लेकिन उसपर अभीतक कोई ध्यान नहीं दिया गया । इसी तरह से जहाँ गाँधी जी की स्थली है, जिस मकान में वर्षो-वर्षो रहे हैं, उस मकान की स्थिति जर्जर है और उस गाँधी जी की हम सभी दुहाई देते हैं । उसी गाँधी जी की जनतंत्र की स्थापना के आधार पर हम सभी लोग इस सदन में बैठे हुए हैं ।

सभापति महोदय, मोतीहारी नगर का हालात यह है कि सड़कें जर्जर है, नगर से जुड़े हुए कई गांव हैं, जिस गांव को शहर में भी सम्मिलित किया जा सकता है और नगर परिषद से नगर निगम बनाया जा सकता है । नगर के विकास के लिए, आदर्श शहर बनाने के लिए एक मास्टर प्लान बनना चाहिए लेकिन आजादी के बाद भी अभीतक मास्टर प्लान नहीं बन पाये । वहाँ के हालात यह है कि शहरी विकास योजना पिछले १५ वर्षो से कागजों में लूट-खसोट का विन्दु बना रहा है । सड़कें ऐसी बन गयी जो आज टूट गये । नाला ऐसे बन गये, जिस नाला में पानी नहीं बहता है, नाला जर्जर हो गया है । शहरी विकास का, गंदी विकास योजना के रूपयों का बंदरबांट हो गया । नगरपालिका के कर्मचारियों का पिछले तीन-चार वर्षो से वेतन बकाया है । नगरपालिका के जो कर्मचारी हैं, उनको रहने के लिए कोई मकान नहीं है और आज भी वे पुरानी हालात के साथ जूझ रहे हैं । रिटायर कर गये हैं लेकिन उन्हें कोई पेंशन नहीं मिला, कोई ग्रेच्युटी नहीं मिला । अब आप विचार कीजिए कि वह सफाई कर्मचारी कैसे सेवा करेंगे । नगरपालिका का, नगरपरिषद का हालात यह है कि वहाँ जो कर्मचारी हैं, वही कर्मचारी आज भी है और उनसे पूछिए कि नगरपालिका की सम्पत्ति का कौन-सा डॉकुमेंट्स है तो आपको पता नहीं चलेगा । पिछले कई वर्षों से वह डॉकुमेंट्स गायब है । महोदय,मैं आपके माध्यम से नगरपालिका के कार्यो का जांच कराना चाहता हूँ, जो कागजी खानापूर्त्ति कर बंदरबांट का विन्दु बना हुआ है । शहरों के अन्दर शहरी गृह निर्माण योजना अधूरी पड़ी हुई है और वह भी बंदरबांट का केन्द्र बना हुआ है । शहरों के अन्दर आज भी १५-२० ट्रांसफर्मर जले हुए हैं, पूछने पर बिजली अधिकारी कहते हैं कि मेरे पास ट्रांसफर्मर नहीं है ।

सभापति महोदय, मोतीहारी शहर को जोड़नेवाला मोतीहारी शहर से लखौड़ा होते हुए आदापुर छोड़ादानो जानेवाली सड़क आज इस कदर हो गया है कि जहाँ १५ किलोमीटर जाना है तो वहाँ पर डेढ़ से दो घंटा लगता है । उस इलाके के हमारे माननीय सदस्या हैं, मोतीहारी से अरेराज पथ की वही स्थिति है । मोतीहारी से पकड़ीदयाल और मधुबन जानेवाली सड़कों की भी स्थिति वही है। राष्ट्रीय उच्च पथ के हालात यह है कि मोतीहारी से मुजफ्फरपुर आने में तीन घंटा का समय लगता है। वहाँ कोई देखनेवाला नहीं है ।

.... क्रमशः .....

टर्न-३१/संजीवःशंभु/६.१२.०५

श्री प्रमोद कुमार : क्रमशः, महोदय, आज मोतिहारी में आजादी के बाद भी मात्र ४-५ किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए २०-२५ किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। जो राष्ट्रीय उच्च पथ से जुड़े हुए गांव हैं, जहां पूल का निर्माण होना चाहिए, लेकिन उस पूल का निर्माण आजादी के बाद भी मंझरिया, हरमुआ गांव में इमीरती नदी पर नहीं हो सका है। जिसके कारण आज भी वहां के ग्रामीणों को मात्र ५-६ किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए लगभग २०-२५ किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ता हैं।

सभापति महोदय, आज मोतिहारी जो बूढ़ी गंडक के किनारे पर बसा हुआ है, उस बूढ़ी गंडक का हाल है कि वहां के कई गांव जैसे हरघटवा, हराज, बरदाहा, मधुबनी, पशुवाहा, सोनपुर इत्यादि गांव बूढ़ी गंडक से कट गए हैं। महोदय, मैं जल संसाधन मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि आज वहां के लोग गांव छोड़-छोड़ कर दूसरे गावों में जा रहे हैं और हालात यह है कि यह नदी वहां की सड़कें भी काटकर इधर-उधर गिराती जा रही है। महोदय, आजादी के बाद कोई ऐसी योजना नहीं बनी जिससे नदियों के कटाव को रोका जा सके।

महोदय, मैं पहली बार जीतकर आया तो महामहिम राज्यपाल महोदय के माध्यम से भी हमने लिखकर दिया और उनसे सचिवालय में बात किया, लेकिन वह अभी तक फाइलों में लंबित पड़ा है और उसकी सुधि लेनेवाला कोई नहीं है। महोदय, हमारे यहां एक तरफ से बूढ़ी गंडक और दूसरे तरफ से तीयर नदी है, यह नेपाली नदी है। वहां बरदाहां और झिटकहिया गांव है, इस जगह पर तीयर नदी का कटाव ऐसा है कि गांव के गांव नदी में समाहित हो गया है।

सभापति महोदय, धनौती जल निस्सरण योजना जो १९८३ में पश्चिमी चंपारण से चला था जिसमें ४७१ लाख रूपए खर्च हुए थे। उसमें मात्र एक-दो करोड़ रूपए और खर्च हो जाता तो धनौती जल निस्सरण योजना उस क्षेत्र के विकास के लिए एक अहम योजना साबित होता। लेकिन १९८३ से १९९१ तक खर्च करने के बाद उस योजना का कोई प्रारूप सामने दिखाई नहीं देता। इसलिए सभापति महोदय, आपके माध्यम से इनसे संबंधित माननीय मंत्रीजी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि वे इन सब योजनाओं को बजट की कार्ययोजना में सम्मिलित कर एक नयी रोशनी और एक नयी दिशा दें।

सभापति महोदय, पिछली बार एन०डी०ए० की सरकार ने मोतिहारी में सेंट्रल स्कूल बनाया और आकशवाणी का भी शिलान्यास हुआ, दोनों जगह चयनित हो गए, लेकिन सचिवालय के अंदर उसके जमीन के आवंटन के कागजात उस विभाग को नहीं पहुंचने के कारण आज स्थिति ऐसी हो गयी है कि उस केन्द्रीय विद्यालय और आकाशवाणी के भवन बनाने के लिए राशि तो है, लेकिन कागजात नहीं जाने के कारण यूं ही पड़ा है। दूसरी तरफ, आकाशवाणी के लिए जिला-परिषद् के माध्यम से जमीन आवंटन हुआ। इसके लिए रूपया भी है, लेकिन सचिवालय के माध्यम से वहां कागजात नहीं गए, जिसके कारण वह भवन नहीं बन सका। इसलिए सभापति महोदय, चंपारण की भूमि महात्मा गांधी की कर्मभूमि रही है और वहां से आने के कारण हम आपके माध्यम से अपने माननीय मंत्रीगण का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराना चाहते हैं। इस बजट प्रस्ताव का समर्थन करते हुए बजट में वहां के विकास के लिए, वहां की तरक्की के लिए और मोतिहारी शहर को आदर्श शहर बनाने के लिए शामिल करने का कष्ट करेंगे। जयहिन्द।

सभापति, श्री हरिनारायण सिंह : माननीय सदस्य श्री लालबाबू राय।

श्री लालबाबू राय : सभापति महोदय, आज इस सदन में आपके माध्यम से बोलने का पहली बार मौका मिला, इसके लिए हम आपके आभारी हैं। यहां पर कई दिनों से बहस चल रहा है। पार्टी के लोगों को बोलने के लिए अधिक समय दिया जाता है। चूँकि हमलोग निर्दलीय हैं इसलिए हमलोगों को बोलने का मौका कम मिलता है, इसलिए सर्वप्रथम हमलोग चाहेंगे कि हम निर्दलियों के ऊपर भी आपके और सदन के द्वारा विचार होना चाहिए क्योंकि हमलोग भी जनता के द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि हैं।

पार्टियों को जितना समय दिया जाता है उस समय में से हमलोगों को भी कुछ समय दिया जाय ताकि हमलोग जनता की बात को यहां पर रख सकें। यह अवहेलना कई दिनों से हो रही है। आज हमें बहुत प्रयास करने के बाद मौका मिला है। इसलिए हमारी बात को प्रोसिडिंग में दर्ज करने का कष्ट किया जाय। महोदय, जहां तक बहस का सवाल है, कई मुद्दों पर कई विभागों से संबंधित बातों को कई माननीय सदस्यों के द्वारा अपना-अपना तर्क दिया गया है। महोदय, मैं आज कई दिनों से सुन रहा हूँ, इस सदन में हमारे बहुत से वरिष्ठ माननीय सदस्य हैं, जो बहुत जानकार हैं। ये अपने-अपने ढंग से बिहार की बात को जानते हैं, विभागीय जानकारी उनके पास है। लेकिन हम सभी लोग जहां तक बिहार के विषय में जानते हैं, अपने राज्य के विषय में जानते हैं, जन-समस्याओं के विषय में जानते हैं, उसमें तुलना हमने किया तो वरिष्ठ सदस्यों के वक्तव्य में बहुत विरोधाभाष दिखाई पड़ा। ये सत्य से परे बातों को कहने में ज्यादा समय लेते हैं। बिहार की जो मूल चर्चाऐं हैं, चाहे वह सत्तापक्ष हो या विपक्ष दोनों तरफ से जो मूल बातें हैं, जनता की जो मूल समस्याएं हैं, उनपर ध्यान नहीं देते हुए आपस में उलझने का प्रयास करते हैं। यह सदन की गरिमा के खिलाफ बात है। आपको पूरे बिहार की ८ करोड़ जनता देख रही है और जो श्री के०जे०राव के द्वारा चुनाव कराया गया, यह चुनाव यदि बार-बार होने लगा तो जो ड्रामा हमलोग सदन में कर रहे हैं, जनता देखेगी तो माफ नहीं करेगी, यह हमारा पूर्ण विश्वास है। इसलिए सदन में चर्चाऐं हों, सदस्य जो जीतकर आए हैं वह अपने-अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सदन में रखें,सदन में उस पर विचार करें। जो विभागीय मंत्रिगण हैं उनको मौका दिया जाय। हम अपनी बात को कहने के लिए सदन में खड़े होते हैं न कि हम आज ही उत्तर ले लें कि आप शपथ ग्रहण कीजिए कि आप कब तक क्या करेंगे। यह तो मौका देने की बात होती है, समय देने की बात होती है, काम यदि नहीं करेंगे तो यह सदन एक ही दिन का नहीं है, आगे भी हमें मौका मिलेगा और मौका मिलने पर उस बात को हम मंत्री महोदय से पूछ सकते हैं। इसलिए हम सदन से आग्रह करेंगे, जहां तक बहस का विषय है खासकर के कई प्रस्ताव आए हैं, सभी विभागों से संबंधित लेकिन हम अपनी बात को मूल रूप से तीन-चार बिंदु पर केंद्रित करना चाहेंगे। चूँकि हमें उतना समय आप नहीं दे पायेंगे, इसलिए ३-४ बिंदु पर अपनी बात को समेटते हुए कहना चाहूँगा कि जो आम जनता को छूने वाली चीज है, जो विभाग आम जनता से ज्यादा लगाव रखनेवाली है, उन विभागीय मंत्रियों से ही हमलोगों का सवाल ज्यादा होना चाहिए। हम अपनी ओर से खाद्य आपूर्ति मंत्री महोदय से सवाल करना चाहेंगे और सवाल करते हुए हम चाहेंगे कि उनका प्रयास भरपूर रूप में जो आम जनता की बातें हैं उसके समाधान पर लगना चाहिए। जहां तक कैरोसीन तेल, अन्त्योदय योजना, अन्नपूर्णा योजना जो खाद्य आपूर्ति विभाग का सवाल है उसपर बड़े पैमाने पर धांधली है।

क्रमशः.........................

श्री लाल बाबू राय : क्रमशः देहातों में घूमते हैं । आज इसतरह से जहाँ दुनिया आगे बढ़ गयी ,गांव गवई के लोग कहते पाए जाते हैं कि कुछ कीजिए या नहीं कीजिये लेकिन किरासन तेल दिलवा दीजिये । यह समस्या पूरे बिहार की है इसलिए इसका क्या निदान होगा । कैसे यह समस्या सुलझेगी । हम सभी मेम्बर हैं हम चाहते हैं कि मंत्री महोदय समय समय पर बैठक आयोजित करें और उसमें हमलोगों को भी बुलाएं और हम उसमें सुझाव देंगें । हम चाहेंगें कि कड़ी से कड़ी कार्रवाई उन पदाधिकारियों पर की जाय जिनकी लापरवाही से या जिनके चलते खाद्य आपूर्ति के मामले में इसतरह की बातें झेलनी पड़ती है । किरासन तेल,अन्त्योदय अन्नपूर्णा ,प्रोत्साहन भत्ता और बच्चों के लिए जो खाद्य पदार्थ जाते हैं उनका सही रुप से उपयोग नहीं हो रहा है । इन बातों को प्रोसिडिंग्स में दर्ज की जाय और खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री महोदय गहन रुप से विचार करने का कष्ट करें। स्वास्थ्य विभाग की समस्या की ओर भी आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा । यह आम जनता को छूने वाला विभाग है । हमारे मरौढ़ा विधान सभा क्षेत्र में कई एम०बी०बी०एस० डौक्टर हैं लेकिन डियूटी पर कोई उपलब्ध नहीं रहते हैं । वहाँ कई स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप केन्द्र हैं लेकिन कहीं कोई कर्मचारी उपलब्ध नहीं है । रेफरल अस्पताल बनाने की बात मंत्री महोदय ने कही थी कि हर जिले में रेफरल अस्पताल का निर्माण कराया जायेगा लेकिन आज मरौढ़ा जो एशिया प्रसिद्ध नगरों के रुप में जाना जाता था अंग्रेजों के समय में ४-४ फैक्ट्रियाँ थीं और चीनी मिलें थीं और चीनी मिल के लिए इक्वीपमेंट बनाने का काम वहाँ होता था । मरोढ़ा जो चीनी प्रसिद्ध नगर था वहाँ की चीनी मिलें बंद हो गयी । मोर्टन फैक्ट्री से विश्व में टाफी सपलाई होता था वह मृत प्राय हो गया है । डिस्टलरी फैक्ट्री से बिहार सरकार को ६ करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता था वह भी मृत प्राय है । इसलिए मैं उद्योग मंत्री का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ साथ ही साथ मुख्यमंत्री जी का भी ध्यान उस ओर ले जाना चाहता हूँ कि मरौढ़ा जैसे प्रसिद्ध नगर पर आपका ध्यान जाना चाहिए । क्या कारण था कि अंग्रेजों ने वहाँ ४-४ फैक्ट्रियाँ लगवायी थी आज वे सभी मृत प्राय हो गयी है और पिछले १५ वर्षों में सारी फैक्ट्रियाँ मृत प्राय हो गयी हैं । साथ ही साथ वहाँ रेफरल अस्पताल बना हुआ है पिछले कई वर्षो से ,लेकिन २०-२५ साल पहले बिल्डिंग बना ,उसमें ठीकेदार जो काम कराये वह कैसे काम कराया, नहीं कराया लेकिन आज वह बिल्डिंग भसने के कगार पर है । जमीन धस रही है और दिवाल धस रहा है और छत चू रहा है । आनन फानन में अगल बगल के लोग जो रहते हैं वह दिवाल तोड़कर किवाड़ी खिड़की ले जा रहे हैं । उसमें बकरी सोती है और भैंस ,साढ़ बैठता है इसलिए हम चाहते हैं कि रेफरल अस्पताल जिस उद्येश्य से बनाया गया मरौढ़ा में उस रेफरल अस्पताल की तरफ हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान जाना चाहिए । माननीय स्वास्य मंत्री जी ध्यान देंगें और उसका उद्घाटन कराने का प्रयास हमलोग करेंगें । हमलोग पूरी तैयारी के साथ उनके माध्यम से रेफरल अस्पताल का उद्घाटन करायेंगें ताकि वहाँ की जनता को स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध करा सकें । साथ ही साथ खाद्य आपूर्ति के साथ साथ सड़कों की स्थिति मैं आपको बतलाना चाहता हूँ कि यह जो १०२ मरखा एन०एच० हैं जो रेवा घाट से चलकर उत्तर प्रदेश की ओर जाती है मांझी होते हुए । हमारे कई माननीय सदस्य यहाँ बैठे हुए हैं ,दूसरे क्षेत्र से आने वाले ,परसा,मरखा और माननीय राम प्रवेश जी छपरा से आते हैं सभी के क्षेत्र को टच करते हुए यह एन०एच० जाता है उत्तर प्रदेश की ओर और यह दो दो तीन तीन प्रदेश को ज़ोड़ता है उस एन०एच० की आज क्या स्थिति है । पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में दो घंटे का समय लगता है ,गाड़ी बिगड़ जाती है । हम संबंधित मंत्री महोदय से दर्ख्वास्त करते हैं कि इस एन०एच० पर ध्यान देंगें । उस एन०एच० पर रोड़ा डाला गया और बनाने के नाम पर पैसा उठा लिया गया । कई ठीकेदार आए और काम किए और पैसा उसके नाम पर उठा लिए लेकिन आज उस सड़क की वही स्थिति है । सड़क में गढ्ढे भरने के नाम पर कई बार पैसा उठाए गए लेकिन

सड़क नहीं बनी और आजतक सड़क की स्थिति सुदृढ नहीं हुई । उस सड़क की स्थिति अच्छी हो इसके लिए हम मंत्री महोदय से रिक्वेस्ट करेंगें और इन बातों को दर्ज किया जाय और ध्यान दिया जाय । अब मैं जयादा समय नहीं लेना चाहता । चंद शब्दों में अनुरोध करने के साथ साथ लास्ट में इतना ही कहना चाहता हूँ कि हम निर्दलियों की ओर भी आपका ध्यान रहना चाहिए । जयहिंद ।

श्री रामस्वरूप प्रसादः सभापति महोदय, माननीय नगर विकास मंत्री जी ने जो अपने विभाग के अनुदान मांग सदन में स्वीकार हेतु रखा है, मैं उसका समर्थन करते हुए कटौती के प्रस्ताव का विरोध करते हैं। महोदय, यद्यपि आज नगर विकास विभाग के अधीन नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत की चर्चा होती हैं परन्तु जब तक राज्य के पूरे परिवेश की चर्चा इस संदर्भ में नहीं होगी तब तक वह चर्चा अधूरी समझी जाएगी । आज जितने भी नगर निगम बनाए गए हैं, जितने भी नगर परिषद हैं इस राज्य में, जितने भी नगर पंचायतें हैं सबमें एक बहुत आबादी देहाती क्षेत्रों की जुड़ी हुई है । जिनकी पेसा कृषि करना है । वहाँ कृषि पर काम करने वाले खेतिहर मजदूर भी रहते हैं, वहां स्वास्थ्य के लिए अस्पताल भी होते हैं, वहाँ शिक्षा की व्यवस्था के लिए विद्यालय और महाविद्यालय भी होते हैं । वहाँ सिंचाई की व्यवस्था किसानों के लिए बनायी जाती है । उनके लिए बिजली की भी आवश्यकता है, उनके लिए सड़क की भी आवश्यकता है । ऐसी स्थिति में इस अवसर पर इन सारी चीजों पर चर्चा करना अनिवार्य होगा । महोदय, हम केवल पिछली सरकार के ऊपर दोषारोपण कर राज्य का विकास नहीं कर सकते हैं । जब-जब इस देश में अन्याय और अत्याचार का राज हुआ है तब-तब किसी न किसी न्याय पुरूष बनकर आने का काम किया है । आजादी की लड़ाई भी लड़ी गयी, पूज्य बापू जी के सानिध्य में, उसके बाद कांग्रेस की सरकार ने ही इस राज्य में आपातकाल की स्थिति लगायी । इस देश में बिहार में जन भावना को उभारने वाले जय प्रकाश नारायण पैदा हुए और उन्होंने इस राज्य की आवाम को कहा कि आपातकाल इस देश में लागू कर इस राज्य में बहुत बड़ा अन्याय किया गया है और उसके बाद इसी सम्पूर्ण क्रांति से ऊपजे लोग वर्ष १९९० में सत्ता में आए और इनका शासन जब १५ वर्षो तक चला तो वह शासन इतिहास के काले पन्नों में लिखा जाएगा । उस समय क्रांति की लड़ाई में केवल विरोधी पक्ष के दाहिने पक्ष में बैठे लोग नहीं थे, उसमें नीतीश कुमार जी ने भी उनके सहयोगी में थे । भाजपा दल भी उस क्रांति में सहायोगी थी और जब १९७७ में लोकसभा का चुनाव हुआ तो पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस का सफाया हो गया लेकिन दक्षिण भारत में कांग्रेस जिंदा रही और काफी मजबूती के साथ जिंदा रही । १९७७ में जब लोकसभा के चुनाव हुए तो दिल्ली की गद्दी पर सम्पूर्ण क्रान्ति से निकले नेता बैठे लेकिन वह गद्दी संभल नहीं सकी । महोदय, ढाई वर्षो में पुनः कांग्रेस का शासन देश की राजधानी दिल्ली की गद्दी पर बैठा। क्रमशः.............

श्री रामस्वरूप प्रसादः क्रमशः कहने का तात्पर्य यह है महोदय अगर कोई भी सरकार अच्छा काम करेगी तो निश्चित तौर पर उसकी स्थिरता रहेगी । १९९० में जब इनका शासन हो गया तो इन्होंने एम०वाई० समीकरण बनाया और एम०वाई० समीकरण के बाद इन्होंने समाजिक न्याय और धर्म निरपेक्षता की बात उठाई । असंतोष के बावजूद लंबे अंतराल तक इन्होंने शासन किया । और जब माननीय नीतीश कुमार जैसे व्यक्ति, श्री सुशील कुमार मोदी जैसा व्यक्ति पैदा हुआ तो उनका जो काला इतिहास था उस काले इतिहास को इस राज के आवाम के समक्ष ले जाने का काम किया और उनके १५ साल के काले इतिहास को बताया और कहा कि हम वादा करने आये हैं बिहार वासियों से कि हम राज्य में अच्छी व्यवस्था देंगे, विधि व्यवस्था दुरूस्त रहेगा, कानून का राज होगा और बिहार की जनता के चेहरे पर खुशहाली और हरियाली छायी रहेगी । यह जवाबदेही काम करने वाले पर निर्भर करता है उस व्यक्ति पर यह जवाबदेही है जो राज्य का नेतृत्व करने वाले हैं । महोदय, माननीय नीतीश कुमार जी ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल में तीन विभागों का काम संभाला है । कृषि मंत्रालय, भूतल एवं जल परिवहन मंत्रालय मिला था और रेलवे मंत्रालय था । तीनों विभागों के कार्य कलापों का कार्य देखेंगे तो निश्चित रूप से उन्होंने इस राज्य के विकास के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के विकास के लिए काम किया और इसीलिए उन्हें विकास पुरूष की संज्ञा दी गयी । महोदय, माननीय नीतीश जी के नेतृत्व में फरवरी,२००० में भी चुनाव लड़े थे लेकिन समीकरण के अभाव के कारण बहुमत नहीं जुटा सके और बहुमत जुटा तो अन्याय के रास्ता चुनकर राष्ट्रपति शासन लागू कर अन्याय करने का काम इस बिहार वासियों के साथ किया गया । हम उसी अन्याय को राज्य की जनता के पास ले गए और परिवर्तन रथ के माध्यम से पूरे इस राज्य के आवाम में आंदोलन किया और कहा कि १५ वर्षो के कार्यकाल को देखें और लोकतंत्र की हत्या जो इन्होंनेकिया उसको भी देखें और देखने के बाद एक सही निर्णय लें अगर सही निर्णय नहीं लेंगे तो आने वाला समय कभी माफ नहीं करेगा इतिहास माफ नहीं करेगा । इसी का परिणाम है कि सत्ता की कुर्सी जे०डी०यू० और भा०ज०पा० के जीते हुए जितने नेता हैं मंत्रिपरिषद में या विधायक के रूप में आज बैठे हुए हैं ।

महोदय, मैं भी इस सदन का १९७२ से सदस्य रहा हूं । मैंने उस समय के विधान सभा की कार्यवाही को देखने का काम किया है उस समय इस तरह की स्थिति नहीं थी । कोई भी विरोधी पक्ष का सदस्य रिपोर्टर्स टेवल पर खड़े होकर या सचिव जहां बैठे हुए हैं कुर्सी फेंकने का काम नहीं किया । लेकिन इस बार इस सदन में ऐसा दृश्य विपक्ष द्वारा उपस्थति किया गया ।यह अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा की ओर पहुंच गया । पिछले दिनों जो हुआ उस पर खेद भी प्रकट किया गया लेकिन राज्य की जनता उनके इस कारनामें को क्या टेलीविजन के माध्यम नहीं देख रही थी ? ये विरोधी पक्ष में काम करने लायक नहीं हैं ।

महोदय, विपक्ष ने कटौती प्रस्ताव का प्रस्ताव दिया है उनको कटौती प्रस्ताव देने का कोई हक नहीं है ।

महोदय, मेरा क्षेत्र नालंदा है । नालंदा जिला में चार नगर पंचायत है । हमारे क्षेत्र में इसलामपुर, हिलसा, राजगीर और सिलाव है । एक नगर पर्षद बिहारशरीफ है। चतुर्भव दृष्टिकोण से सड़क का महत्व है । शुद्ध पेयजल का क्षेत्र, स्वास्थ्य के लिए अस्पताल, सड़क की स्थिति जो है वह सारी स्थिति आज भी बदतर बनी हुई है । सड़क उसी तरह की है जिस तरह की सड़क गांवों में है । माननीय मंत्री, अश्विनी कुमार जी ठीक है आपकी सीमाएं हैं लेकिन हमारे क्षेत्र के अंदर जो नगर निकायों की समस्यायें हैं नगर पर्षद और नगर पंचायत की जो समस्यायें हैं उसके निदान के लिए आप भरपूर कदम उठायें यह संदेश पूरे राज्यवासियों को जायेगा जब आप अच्छा काम करेंगे ।

क्रमशः

55

टर्न-३४/६.१२.०५/
श्रीरमण/

श्री रामस्वरूप प्रसाद : ....क्रमशः ....

महोदय, मैं एक बात की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं । माननीय सदस्य अमरनाथजी ने भी इस सदन में यह बात उठायी है आदर्शवाद के रूप में । आज की स्थिति में आदर्शवाद कहने के लिये है । जबतक आप आदर्शवाद के रास्ते पर सचमुच नहीं जायेंगे तबतक आनेवाले समय में इसको स्वीकारना पड़ेगा । यहां जब विधायक का वेतन, पेंशन बढ़ाने के लिये नियमावली, पुनरीक्षण के लिये लायी जाती थी तो उमाधर बाबू विरोध करते थे कि किसी भी परिस्थिति में विधायकों का पेंशन नहीं बढ़ना चाहिये और जब बिल पास हो जाता था, उमाधर बाबू ने कभी नहीं कहा कि बढ़े हुए जो वेतन है, बढ़ी हुई जो पेंशन की राशि है उसको हम नहीं लेंगे । यह किस बात की ओर इंगित करता है । आप आदर्शवादी हैं तो सबसे पहले पेंशन लेना बंद कर दें । याद आती है लाल बहादुर शास्त्रीजी की, उन्होंने कभी सुख सुविधाएं नहीं लीं, अगर तुम भी इस तरह का बनना चाहते हो तो इस तरह की बात सदन में उठाओ ।

महोदय, मैं पुनः जो कटौती का प्रस्ताव है उसका विरोध करते हुए जो मांग माननीय चौबेजी ने अपने विभाग की रखी है उसका समर्थन करता हूं । जय हिन्द ।

श्री फाल्गुनी प्रसाद यादव : माननीय सभापति महोदय, जो नगर विकास विभाग की ओर से माननीय मंत्री,श्री अश्विनी कुमार चौबेजी ने मांग प्रस्तुत की है उसके समर्थन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं ।

महोदय, मैं इस बात के समर्थन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं और मैं आशा और अपेक्षा माननीय मंत्रीजी से रखता हूं कि जिस प्रकार से मंत्रिपद की शपथ लेने के बाद इन्होंने लगन के साथ विभाग का कार्यक्रम प्रारंभ किया है, हमें पूर्ण विश्वास है कि यह बिहार के शहरों की स्थिति को सुधारने का काम करेंगे । इसी सन्दर्भ में मैं अपने मित्र और बिहार सरकार के एक प्रभावी मंत्री,श्री अश्विनी कुमार चौबेजी को याद दिलाना चाहता हूं कि पंडित दीन दयाल उपाध्यायजी ने दल की स्थापना के समय कहा था "जिसके सामने रोजी और रोटी का सवाल है, जिन्हें न रहने के लिये मकान और पहनने के लिये वस्त्र हो, जो अपने मैले कुचैले वस्त्रों में दम तोड़ रहे हों ऐसे लाखों करोड़ों गांव वालों को सुखी और सम्पन्न बनाना हमारा उद्देश्य है ।"

महोदय, मैं चाहता हूं कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन के अन्तर्गत हमारी सरकार ने अंत्योदय योजना को रखने का काम किया है, अन्नपूर्णा योजना को लाने का काम किया है, सर्व शिक्षा अभियान को भी चलाने का काम किया है, मैं स्मरण दिलाना चाहता हूं मंत्री महोदय को कि जो माननीय चिंतक ने चिंतन दिया और माननीय नेता ने योजना अपने स्तर से लाया क्या हाल है आपके यहां ? १५ वर्षों से दिखायी नहीं पड़ रहा है । आप आये हैं जनता का समर्थन लेकर,हम उस ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं, यह सवाल उठाना चाहते हैं, क्या आज हो रहा है देखिये । क्या गरीब लोगों को अन्न पहुंच रहा है, क्या सर्व शिक्षा अभियान, साक्षरता का अभियान चलाया जा रहा है, क्या सब जिलों में लूट खसोट नहीं हो रही है, इन सारी बातों पर गम्भीरता से विचार करेंगे और जहां शहरों के विकास की परिकल्पना लेकर आगे बढ़ रहे हैं उसी में आपको गांव की चिंता करनी है, गांव को भी सुखी और सम्पन्न बनाने के लिये, गांव में भी बिजली की रोशनी कर प्रबंध करने की आपको आवश्यकता है । इसलिये मैं प्रार्थनापूर्वक आपको कहना चाहता हूं, जो हालत है, उसको ठीक से समझिये । महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है । गांव सुखी सम्पन्न होगा तो देश सुखी सम्पन्न होगा ।

....क्रमशः ......

टर्न-३५/राजेश/६.१२.०५/

श्री फाल्गुनी प्रसाद यादव (क्रमशः):- सभापति महोदय,डा०राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि देश की स्मृद्धि गॉवों की गलियों और खेत की पंगडंडियों से होकर गुजरती है। हमारे नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि यह भारत किसानों का देश है,किसान भारत का रीढ़ है,किसान उठेगा तो गॉव उठेगा,और जब गांव उठेगा तो देश उठेगा,इन तीनों महापुरुषों ने भारत को अपने में समेटते हुए हमारे नेता श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने शपथ लेने के बाद सबसे बड़ा और महान पुनीत कार्य किया,वह है ग्रोमोन्मुखी बजट । मैं सभापति महोदय बताना चाहता हूँ कि कॉग्रेस का शासन बहुंत दिनों तक इस देश में रहा,लेकिन ग्रामोन्मुखी बजट नहीं आया। लेकिन हमारे नेता श्री बाजपेयी जी ने जब पदभार संभाला तो उन्होंने ग्रामोन्मुखी बजट लाये और उन्होंने इस बात का संकल्प लिया और आबादी के अनुसार उन्होंने बजट पेश किया कि १०० रुपये में ८० रुपया गॉवों में खर्च होगा और २० रुपया शहरों में खर्च होगा,आबादी के अनुसार उन्होंने राशि बॉटने का काम किया । आज वह सारा पैसा विकास के नाम पर गॉवों में पड़ा हुआ है,लेकिन हो क्या रहा है ? वहॉ भयंकर लूट मची हुई है,आज प्रखंड से ले करके बल्कि पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक लूट ही लूट मची है । हम आज सदन को बताना चाहते हैं कि लगभग एक जिला में ८० करोड़ रुपया विकास के नाम पर मिला है,लेकिन यह पैसा कहीं भी जिला में दिखाई नहीं पड़ता है,आज हर जगह भ्रष्टाचार का आलम है,हम जिसपर गर्व करते हैं, आई०ए०एस० और' आई०पी०एस०, कलक्टर और एस०पी० यहीं आज भ्रष्टाचारी है । सभापति महोदय,शायद आपको भी मालूम होगा कि ८० करोड़ में दो परसेंट जब तक उनके पास नहीं पहुंचता है,तब तक जिला में योजना नीचे नहीं उतरती है । हर विभाग जो २० परसेंट के हिसाब से रिश्वत देता है,तो विभाग को पैसा की स्वीकृति मिलती है और वह काम करता है,सारा काम सरकारी स्तर पर होता है,अब तो ठीकेंदार भी कोई नहीं होता अब तो होता है विभागीय काम और सीधे बैठे-बैठे दस्तखत करता है,भुगतान लेता है और वह ५ परसेंट का मालिक बन जाता है,क्या होगा आज विकास का काम । हमारा यही कहना है कि जो भ्रष्टाचार का आलम प्रखंड से लेकर जिला तक फैला हुआ है,सरकार इसको गंभीरता से ले और जो कलक्टर और एस०पी० के अंदर भ्रष्टाचार फैला हुआ है,ऐसे हम यह नहीं कहते है कि सभी कलक्टर और एस०पी० रिश्वत लेने वालो में है,लेकिन अधिकांश कलक्टर और एस०पी० विगत १५ सालों के शासन में,एक संस्कृति बन गयी है जो भ्रष्टतम व्यक्ति है,वही जिला का कलक्टर बनता है,वही जिला का एस०पी०बनता है । इसलिए सभापति महोदय आपके माध्यम से इस सरकार को कहना चाहते हैं,बिहार की जनता ने एक आशा और विश्वास के साथ आपको यहॉं पर बैठाने का काम किया है,सबसे पहले उन चीजों पर हमला कीजिये और ईमानदार कलक्टर और एस०पी० को बैठाने का काम करिये,एस०डी०ओ० को बैठाने का काम करिये,बी०डी०ओ०को बैठाने का काम करिये,पंचायत सेवकों को बैठाने का काम करिये और जनप्रतिनिधियों को बिगाड़ने का काम की जो संस्कृति चली है,उसको रोकने का काम करिये,तभी आप एक नया बिहार बना सकते है,सुखी और संपन्न बिहार बना सकते है अन्यथा ऐसी परिस्थिति में आप आगे नहीं बढ़ सकते हैं । आज हमारे सहयोग से जो बजट आया है, मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ श्री सुशील मोदी जी को,उन्होंने बिल्कुल आईने की तरह बजट पेश किया है,बिल्कुल समझाने के रुप में एक आम आदमी भी इसे समझ सकता है और जो बजट आपने लाया है,ईमानदारी को ले करके आपने जो बिहार की जनता के समक्ष प्रस्तुत किया है,उसी आशा और विश्वास के साथ जनभावना का कद्र करते हुए इस भ्रष्टाचार के आलम को समाप्त करिये,तभी नया बिहार बनेगा,सुखी-संपन्न बिहार बनेगा,बेरोजगार नौजवानों को काम मिलेगा और निराश भाई-बहन को सुखी और संपन्न बनाने में हम सफल होंगे,इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपके माध्यम से श्रीमान् नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनने वाली सरकार को कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूँ और विश्वास रखता हूँ कि एक नया बिहार बनाकर इस देश की जनता को एक दिशा देंगे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ ।

टर्न-३६/६.१२.०५/सच्चिदा ।

श्री रामचन्द्र सिंह यादव : माननीय सभापति महोदय, माननीय मंत्री,नगर विकास विभाग के द्वारा जो बजट लाया गया है, उस बजट के समर्थन में अपनी बातों को रखते हुए इतना जरूर संकेत करूंगा सर्वप्रथम कि एडमिनिस्ट्रेशन पर भी चर्चा वगैरह होनी चाहिए थी , फिर भी सरकार की जो शुरूआत है निश्चित तौर पर सराहनीय है । एकजाम्पुल के तौर पर कल मैंने टी०भी पर देखा कि माननीय मंत्री चौबे जी के द्वारा जो सफाई अभियान के तहत स्टीमर के द्वारा दौड़ा किया जा रहा था, उस अभियान को देखकर निश्चित तौर पर आवश्यक था कि आज कई एक स्थिति और परिस्थिति को लेकर १०-१२ दिनों की अल्पायु में कई मुद्दों पर विकास का शुरूआत नगर विकास विभाग द्वारा की जा रही है, निश्चित तौर से देहाती भाषा में घर की दरवाजा को देखकर गृहस्थ की पहचान, परिवार की पहचान की जाती है । हमारा राज्य का दरवाज, राज्य का दालान नगर ही हो सकता है । यह सरकार की बहुत अच्छी सोच, इसमें कहीं कोई दो मत नहीं , आज इस स्थिति परिस्थिति के मुताबिक सरकार की ओर से कई एक पहलू पर बहस की, यह बदहाल बिहार की जिम्मेवार आपको मिली है या विरासत में मिली है । रचनात्मक और दलित शोषित पीड़ित की आवाज और बिहार के चौमुखी विकास के सवालात को लेकर के हम भी आपके साथ हैं परन्तु जो स्थिति - परिस्थिति के मुताबिक मैं समझता हूँ कि जहां कुछ बुराई नहीं होती है, अच्छाई नहीं होती है, जहां बिगड़ता नहीं वहां बनता नहीं, जहां कष्ट होता नहीं वहां सुख का ऐहसास नहीं किया जा सकता जहां दुःख और अपमान नहीं होता, वहां सुख की परिकल्पना नहीं की जा सकती आज बिहार हासिये पर है निश्चित, परन्तु पूरे आशा और विश्वास के साथ जिस कदर पूरे बिहार के आम और आवाम आप के सरकार पर विश्वास कर आपका चुनाव की हैं, निश्चित तौर पर यह इतिहास ,जब परिवर्त्तनकारी इतिहास का इशारा आम-आवाम ने बिहार के सूबे को दिया है तो आपसे भी यह उम्मीद है कि आप भी एक परिवर्त्तनकारी इतिहास की अगुआई माननीय मुख्य मंत्री नीतीश कुमार जी के अगुआई में और इसमें एक से एक विद्वान और बुद्धिजीवी मंत्रीगण हैं, उनके अगुआई में बिहार का एक अच्छा निर्माण होगा, अच्छी अगुआई होगी , जैसे कि हमारे माननीय गार्जियन श्री भोला बाबू ने कृष्ण का उदाहरण दिये । कृष्ण को जब मथुरा बनाना हुआ, कृष्ण को महाभारत की जब अगुआई करनी हुई, कृष्ण को जब गीता का उपदेश देना हुआ तो कृष्ण को सामने रखकरके कई एक जगह पर अपनों पर भी आहूति दी गयी थी, उसी तरह से इस बिहार के अंदर आवश्यकता है । आप के पूर्वजों के इतिहास को देखा जाय थोड़े देर के लिए हम ध्यान केन्द्रित करें , अंग्रेजी शासन काल का तो अंग्रेज के शासन काल में हमारे उपर, इस बिहार के उपर, इस हिन्दुस्तान के उपर, गांव के गरीब गुरबों के उपर जिस तरह से शासन किया गया था, उस शासन की तुलना में वर्त्तमान के पूर्व के शासन से किया जाय तो निश्चित तौर पर मैं समझता हूँ कि उस शासन इस शासन से सर्वथा वेहतर था । क्रमशः

टर्न-३७/कृष्ण/०६-१२-०५

श्री रामचन्द्र सिंह यादव (क्रमशः)- जो भवन बनाये थे, वह आज तक खड़े हैं। जो पुल-पुलिया बनाये थे, आज तक खड़े हैं । उरा शारान के द्वारा जो चौक-चौराहा बनाया, वह आज तक खड़ा है। परन्तु इसके पूर्व के शासन के द्वारा जो भवन बनाये गये, पुल-पुलिया बनाये गये, रोड और चौराहे जो बनाये गये उसका कार्यकाल समाप्त होने के पूर्व ही वह ध्वस्त हो जाया करता था। इसलिए बड़ी आशा और विश्वास के साथ आपका चुनाव हुआ है।ऑसू और दर्द की पीड़ा के बल पर आपकी बुनियाद बननेवाली है उस परिवर्त्तनकारी इतिहास का जिस कदर आपके नेतृत्व में आपकी अगुवाई होनेवाली है निश्चित तौर पर आनेवाले समय में एक नये बिहार की परिकल्पना के साथ एक नये बिहार की अगुआई के साथ आपके नेतृत्व में राम-राज,कृष्ण-राज या चन्द्रगुप्त का उदाहरण आपके अभिभाषण में दिया गया, चन्द्रगुप्त का उदाहरण दिया गया, सम्राट अशोक दिया गया। मैं समझता हूं कि उनको भी बदहाल बिहार ही मिला था, जो सम्राट अशोक ने शुरूआत किया था और पूरी दुनियां में मिसाल समझ कर उनको भी बदहाल बिहार मिला था। माननीय अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि चन्द्रगुप्त को भी बदहाल बिहार मिला था। इन्हीं शब्दों के साथ इस सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में पूरी आस्था और विश्वास के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं।

...

श्री रामाधार सिंह - सभापति महोदय,माननीय नगर विकास मंत्री द्वारा रखे गये २००५-०६ के अनुपूरक बजट के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सभापति महोदय, आज जो सरकार द्वारा बजट पेश किया गया है और विपक्ष जो आज यहां अनुपस्थित है इनके द्वारा कटौती दिया गया है, हम इस कटौती का विरोध करते हैं क्योंकि हमारे माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जो विकास का सपना संजोया है, इसलिए हमें पैसा चाहिए। उनके समय में जो राशि मिलती थी राजनीतिक भ्रष्टाचार के कारण, उनके जो लोग थे उनके भ्रष्टाचार के कारण, प्रशासनिक भ्रष्टाचार के कारण बिहार में लूट-खसोट मचा हुआ था।

मैं माननीय मंत्री नगर विकास विभाग को धन्यवाद देना चाहता हूं कि मंत्री बनने के बाद दिल्ली में जब बैठक हुई थी तो उस बैठक में बिहार के नगर की समस्याओं को, नगर की जो आवश्यकता है बिहार की, उसको वहां रखा है। भागलपुर,गया,पटना को बम्बई बनाने का सपना जो माननीय नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमारे माननीय नगर विकास मंत्री ने देखा है वह संपना निश्चित रूप से साकार होगा। यह मेरी कामना है और आशा भी है। सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री नगर विकास से आग्रह करना चाहूंगा चूंकि बिहार के नगरों में बसनेवाली जनता, आप उठाकर देखें, गया, औरंगाबाद, भागलपुर, पटना, सासाराम, आरा जो एक जिला मुख्यालय है, जिला मुख्यालय का जो शहरी क्षेत्र है वह शहरी क्षेत्र में रहनेवाली जनता ने हम पर यानी हमारे नेतृत्व में नीतीश कुमार विकास पुरूष पर विश्वास किया है और नीतीश कुमार ने शहर का नेतृत्व करनेवाला, शहर के लिए संघर्ष करनेवाला विधान सभा में, सड़क से लेकर सदन तक, आपके जिम्मे इस

विभाग की जिम्मेवारी सौंपी है। मैं आग्रह करना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र औरंगाबाद शहरी क्षेत्र है। मैं आग्रहपूर्वक कहना चाहूंगा कि मेरा एक क्षेत्र जमहोर है , अधिसूचित क्षेत्र एक माह पहले घोषित हुआ है। उसके पहले वह अधिसूचित क्षेत्र था। लेकिन पंचायत के चुनाव के बाद अधिसूचित क्षेत्र जो नगर पंचायत के चुनाव के बाद वह न पंचायत रहा और न नगर पंचायत ।जिस तरह पूर्व की सरकार ने पूरे बिहार को नपुंसक बनाकर व्यवस्था को रख दिया है। उसी तरह जमहोर न तो पंचायत था और न नगर पंचायत । यानी न पुरूष था और न स्त्री । यह रूप पिछली सरकार ने दिया था। महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री महोदय,जमहोर अंतराष्ट्रीय एक छोटा-सा कसबा है। जमहोर के आदि गंगे पुनपुन के किनारे, पूरी दुनियां से तीर्थ यात्री जब गया अपने पूर्वजों का पिण्डदान करने आते हैं तो सबसे पहले आदि गंगे पुनपुन के किनारे जा करके उसमें पहला स्नान करके पिंडदान करते हैं । महोदय, आज ही नहीं, आजादी के पूर्व से ही जमहोर जहां पुनपुन किनारे रेलवे स्टेशन है

क्रमशः

टर्न-38/सत्येन्द्र/6-12-05

श्री रामाधार सिंह (क्रमश:)जहां ट्रेनें रूकती है सिर्फ इसलिए कि पूरे भारत और दुनिया के लोग जो गया में पूर्वजों को पिंड दान करने आते हैं,आदि गंगे पुनपुन में स्नान कर के पिंड दान करें।सभापति महोदय,जम्होर को हाल ही में नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त हुआ है, उसका अगर चुनाव होता है तो चुनाव करायें नहीं तो राशि इतना उपलब्ध करवा दें जिससे कि जम्होर जो नरक के रूप में बन चुका है उसका कायाकल्प हो सके।सभापति महोदय,जो बिहार में शहरी क्षेत्र है,जो आपको बिरासत में मिला है,मैं बतलाना चाहता हूँ कहीं भी पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है,चाहे आप कचहरी में जायें या अस्पताल में जायें,कहीं भी पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, कहीं भी चलने को ठीक सड़क नहीं है। हम आपके माध्यम से आदरणीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि इसका आप सर्वे करा लें कि शहरी क्षेत्र में पेयजल का कहां क्या व्यवस्था है? आज पूरी व्यवस्था ही चरमरा गयी है, सब कुछ समाप्त सा हो गया है वह सब चालू हो,ठीक हो।सभापति महोदय,आपकी बत्ती चल गयी है।आप संकेत कर रहे हैं। मैं बैठने के पूर्व एक बात कहना चाहूंगा,जो विपक्ष में बैठे हुए लोग हैं,जो यहां से चले गये जो बार-बार साम्प्रदायिकता की बात करते हैं,हमारे उपर आक्षेप करते थे। अभी हमारे माले के भाई बोल रहे थे उन्होंने नारा दिया कि हम धरती बांट कर रहेंगे। वो जो शिक्षा दे रहे थे, किसानों को रायफल की लाईसेंस देने की बात कर रहे थे।महोदय,किसानों के पास रायफल है, वह सुरक्षा के लिए है, जो गांव में रहने वाले किसान हैं उनको सुरक्षा के लिए लाईसेंस दिया गया है।माले के लोगों की तरह उनलोगों ने पुलिस से लूटकर नहीं रखा है। सुरक्षा के लिए उनलोगों को रायफल ,बन्दुक मिल रहा है और उनको मिलना भी चाहिए।जब 15 वर्षों में पुलिस की बहाली नहीं हुई तो यहां की जनता की सुरक्षा कैसे होगी? अब यह काम हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी करेंगे।आज गांव में रहने वाले लोग सुरक्षा के लिए ही शहरों में आकर बस रहे है माननीय मंत्री जी, जब आप इसका आकलन करेंगे तो देखेंगे कि शहरों में आबादी काफी तेजी से बढ़ रही है। इससे पहले शहरों की आबादी इतनी नहीं थी।शहरों में इतने भवन नहीं थे,इतनी सड़के नहीं थी इसका कारण एक मात्र पिछली सरकार थी ।पिछली सरकार से आतंकवादियों का समर्थन प्राप्त होने के कारण ही शहर की आबादी बढ़ी ।हम चाहेंगे कि उस आवादी के लिए सही ढंग से व्यवस्था हो। आपने जो बजट पेश किया है उसका मैं समर्थन करता हूँ और विश्वास करता हूँ कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी जो विकास पुरूष हैं उनके नेतृत्व में पूरे बिहार के नगर का विकास होगा। सचमुच में अगर पटना,भागलपुर,गया बम्बई का रूप लेगा तो औरंगाबाद,सासाराम,पूर्णिया,सहरसा एवं अन्य शहर निश्चित रूप से एक छोटा बम्बई बनेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ।धन्यवाद।

श्री दामोदर सिंह: माननीय सभापति जी,हम दो बार चुनाव जीते। सोच रहा था आज भी मुझे बोलने के लिए मौका मिलेगा कि नहीं। हम आपके आभारी हैं कि आपने मुझे

टर्न-38/सत्येन्द्र/6-12-05

बोलने का मौका दिया। हम महाराजगंज विधान-सभा क्षेत्र से जीतकर आये है। सबसे पहले मैं आभार प्रकट करता हूँ श्री के0जी0राव जी को जिन्होंने इस बिहार में अच्छी तरह से चुनाव कराया। 110 वर्ष के बुजुर्ग को भी वोट देने का मोका मिला।सभापति महोदय,हम आपको बतलाना चाहते हैं कि 15 वर्ष के अन्दर महाराजगंज में गड्ढा में रोड है,रोड तो है ही नहीं।(क्रमशः)

टर्न–39 / बिपिन / 06.12.2005

श्री दामोदर सिंह : क्रमशः बिजली करीब दो सौ गांव में अंग्रेजों के राज्य के बाद से आज तक बिजली नहीं पहुंची है । स्कूलों में बच्चे लोग गाछ के नीचे पढ़ते हैं । कोई आदमी 15 वर्षों के अंदर में पूछने नहीं गया । महाराजगंज के स्कूल का पैसा क्या हुआ, रोड का पैसा कहां गया , यहां बिजली कहां गयी ? मैं आपको ध्यान दिलाना चाहता हूं – ये भाई साहेब बोल रहे हैं कि रायफल लेकर बड़े लोग रहते हैं, तो इस चुनाव में जो सरकार थी उसके पहले हमारे भाई को चुनाव के दिन में हत्या कर दिया गया । पैरवी करके , ऐप्रोच करके बचते गए । आज देखिये – पूरा गांव, पूरा बिहार में खुशहाली है ।

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया ।)

महोदय, आतंकी आदमी ये बहुत जल्द खतम करेंगे । आतंकी टाइप के आदमी रहेंगे ही नहीं , कोई आतंकी नहीं होगा । यह पूर्ण देहात में घर–घर मना रहे हैं । मैं एक चीज बोल रहा हूं कि मुझे आपने बोलने कहा, फिर मौका शायद नहीं दिया जाएगा । अब मैं रोड के बारे में बोलना चाहता हूं । महाराजगंज से घरौंधा नौ किलोमीटर रोड है, पास हो गया है, जानेमें बहुत समय लगता है, लेकिन परसेंटेज के चलते काम नहीं हुआ । गढ़े में रोड है । दूसरा, महोदय, महुआरी से रसौड़ा एक रोड है महोदय, रसौड़ा, जहां से महामाया बाबू मुख्य मंत्री थे, जिनके घर जाते हैं, उसका भी वही हाल है । कमर–कमर भर गढ़ा है । और भी दो –चार रोड की समस्या है । हम 22 साल ब्लॉक प्रमुख रहे । हमारे मुखिया और प्रमुख के समय में भी इस तरह की हरकत नहीं हुई जो कल के दिन में हुआ । बहुत अफसोस है । यह हरकत तो हमलोगों को करना चाहिए था कि हमलोग नये थे और इतने पुराने लोगों ने किया, यह बहुत शर्म की बात है और बैठते हैं धरना पर ।

अध्यक्ष : अब सरकार का उत्तर । माननीय मंत्री ।

श्री अश्विनी कुमार चौबे (मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज निश्चित रूप में बिहार के वासियों का जो सपना है साकार होते हुए दिखाई पड़ रहा है । हमारे विकास पुरूष माननीय मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो हमने संकल्प लिया था नया बिहार, नयी सरकार, उस नयी सरकार के रूप में आज हम यहां पहुंचे हैं । हम बिहार की जनता को साधुवाद देना चाहते हैं कि जिस बिहार की जनता ने हमें यह मौका सौंपने का काम किया है, हम सर्वप्रथम उस जनता के लिए उत्तरदायी हैं । हम तमाम जनता को आश्वस्त करना चाहते हैं कि नीतीश जी की सरकार निश्चित रूप से बिहार के अन्दर अगर उन्होंने कहा कि तीन महीने के अंदर अपराध को

नियंत्रित किया जाएगा तो निश्चित रूप में नीतीश कुमार इस योजना का कियान्वयन करने में सबसे पहले , जब पहले दिन कैबिनेट की मीटिंग हुई थी , आपने देखा होगा कि हमारे तमाम कैबिनेट के मंत्री, हमारे माननीय मुख्यमंत्री , उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी जी सहित सब लोग जो विधि और कानून की बिगड़ती हालत पिछले पन्द्रह वर्षों में हुई थी उससे निजात दिलाने के लिए , जनता को विश्वास दिलाने के लिए सरकार ने जनता को दिया है और कोई गलत व्यक्ति, कितनी भी कोई उंचाइयो पर हो, अगर जनता के साथ अन्याय करेगा, अगर अपहरण का उद्योग बनायेगा, अगर हत्या, बलात्कार का रूप धारण करेगा, अगर नरसंहार का रूप धारण करेगा तो निश्चित रूप से कठोर–से–कठोर कार्रवाई की जाएगी और कहना चाहता हूं कि जिन बेरोजगारों के हाथ में रोजगार नहीं है, रोजगार के सृजन की व्यवस्था हमारी सरकार करने जा रही है । दिग्भ्रमित होकर हमारे युवकों को, जहां युवकों को हथियार धरने की बात कही जा रही है.....कमशः.....

श्री अश्विनी कुमार चौबे, मंत्री : ..क्रमशः.. मैं कहना चाहता हूँ कि उन तमाम हिंसा में विश्वास रखने वाले जो लोग हैं, जो भी उग्रवादी अपने-आप को उग्रवादी कहते हैं, अगर इस राज्य को, इस देश को ठीक से चलाना है, ऐ हमारे तमाम भाई लोग, यह गौतम बुद्ध का बिहार है, यह महावीर की धरती है, यह चाणक्य और चन्द्रगुप्त की धरती है, इस धरती पर हिंसा नहीं हो सकती है और जो लोग हिंसा में लगे हुए हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि कब तक खून बहाते रहोगे, कब तक भाई को भाई से लड़ाते रहोगे ? हिंसा से किसी देश का विकास, हिंसा से किसी राज्य का विकास नहीं हो सकता है । अगर बिहार के विकास का आपका संकल्प है तो आगे आयें, हथियार छोड़ कर रोजगार के लिए आगे बढ़ें। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि बेरोजगार युवकों को अब रोजगार मिलेगा, हथियार तो फेंक डालो। नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सबको रोजगार का अवसर दिलाया जाएगा, यह विश्वास हम आपको दिलाना चाहते हैं ।

महोदय, लोग कहते हैं, नीतीश कुमार जी निश्चित रूप से रेल मंत्री के रूप में ही नहीं बल्कि केन्द्र सरकार में ६ वर्षों तक सरकार के हर पदों पर रहकर अपनी जिम्मेवारी को जिस बखूबी से निभाया, जिससे कि पूरे देश में उनको विकास पुरुष के नाम से जाना जाता है । आज निश्चित रूप से वे हमारे मुखिया हैं, हम उनको जानते हैं, १९७४-आन्दोलन के हमारे साथी हैं, माननीय लोक नायक जय प्रकाश नारायण के आंदोलन में अध्यक्ष जी, आप भी मौजूद थे, भाई नरेन्द्र जी और बहन सुधा श्रीवास्तव जी भी थीं, मैं तमाम जनता को भी यह कहना चाहता हूँ कि सत्ता के मद में कोई भी चूर हो सकता है, लालू प्रसाद जी भी सत्ता के मद में चूर हो गए थे, आज जनता ने उनको सबक सिखाने का काम किया । लालू प्रसाद जी ने कहा था कि हम सत्ता नहीं, समाज को बदलेंगे, सत्ता से हम समाज को बदलने वाले हैं । १९७४ के आंदोलन में कहा जाता था - हमला चाहे जैसा होगा, हाथ हमारा नहीं उठेगा । तथाकथित सामाजिक न्याय की बात करने वाली पूर्ववर्त्ती सरकार, सामाजिक न्याय का ढोंग करने वाली सरकार ने सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा लगाकर भाई को भाई से लड़ाने का काम किया । गाँधी मैदान आज उदाहरण बन गया जातियों की रैली कराने के लिए, जाति को जाति से लड़ाने का काम किया गया ।

महोदय, हमारे जो विरोधी दल के नेता हैं, तमाम विपक्ष के लोग जो वाक-आऊट कर गए हैं, मुझे तो हँसी आती है, उनको लगा कि हमने नियम और कानून के तहत काम नहीं किया है । महोदय, ये लोग समझायेंगे नियम और कानून ? कहाँ गया वह नियम और कानून जब १५ साल आपने बिहार की जनता की आकांक्षाओं पर कुठाराघात किया, आपने लाखों माँ-बहनों के सिन्दूर को धो डाला, तब कहाँ गया था आपका नियम और कानून ? आज भी वे माताएँ अपने बच्चों के लिए धधक रहीं हैं, आज भी वे बहनें अपने पति को खोजने के लिए दौड़ रही हैं और आप सामाजिक न्याय की बात करते थे ? अपने को सामाजिक न्याय का पुरोधा कहने के पहले सोचना चाहिए था कि लोक नायक जयप्रकाश नारायण के चर्खा समिति के भवन में हमलोगों ने शपथ लिया था, हमलोगों ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण के सामने शपथ लिया था कि सामाजिक न्याय को सही रास्ता देने का काम हम करेंगे, हम जातिवाद को मिटायेंगे, भ्रष्टाचार मिटायेंगे, हम नया बिहार बनायेंगे । लोक नायक के आंदोलन का एक सिपाही श्री लालू प्रसाद जब राज्य के मुख्यमंत्री बने थे, राष्ट्रीय जनता दल के भाईयों, लालू प्रसाद जी को आपलोग जितना नहीं जानते हैं, मैं जानता हूँ, बिहार की जनता ने सोचा था कि यह व्यक्ति बिहार का विकास करेगा लेकिन मेरे मन में उस समय भी कोई भ्रान्ति नहीं थी, मैं जानता था कि यह व्यक्ति बिहार का विकास नहीं करेगा, भ्रष्टाचार को नहीं मिटायेगा और इस राज्य को सही रास्ते पर नहीं ले जायेगा, यह सामाजिक न्याय का पालन नहीं करेगा ।

x x व्यवधान x x

अगर सही मायने में ये सामाजिक न्याय की राह पर चलते तो जिस समय ये जेल जा रहे थे तो उस समय अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री के पद पर बिठाकर नहीं जाते बल्कि पत्थर तोड़ने वाली भगवतिया देवी को या अन्य किसी दलित जाति के व्यक्ति को मुख्यमंत्री के पद पर बिठाते ।

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : ठीक है महोदय, हमारे पूर्व के माननीय भोला बाबू ने जो कहा है, हमारे पूर्व के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष सब कुछ रह चुके हैं । नेता रह चुके हैं पार्टी के, मैं उनकी बात को मानता हूँ । महोदय, मैं यह कह रहा था एक संकेत के रूप में । इसलिए बिहार में भ्रष्टाचार का, मैं कहना चाहता हूँ कि सत्ता में हो भ्रष्टाचारी, हमपर भी है जिम्मेवारी, ऐ बिहार के गाँव के लोगों जागो । हो सकता है नीतीश कुमार, सुशील कुमार मोदी, अश्विनी चौबे ये तमाम् बैठे हुए भ्रष्टाचारी न हो जायें । इसलिए सत्ता पर अंकुश रखने का काम बिहार की जनता को करना पड़ेगा, बिहार के अवाम् को करना पड़ेगा, इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि बिहार के नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जो सरकार चल रही है, निश्चित रूप में वह सरकार बिहार के विकास के लिए उन्मुख है । विकास उन्मुख सरकार है और जहाँ तक किसानों की बात है, निश्चित रूप में हमारी सरकार किसानों को प्रायोरिटी देने जा रही है । हमारी सरकार किसानों के आधार पर, खेती के आधार पर उद्योग फैलाने जा रही है। जहाँ कहीं माखाना का खेती नहीं हुआ करता था, उस दरभंगा में, उसको भी पैदा करने का काम, सृजन करने का काम नीतीश कुमार जी ने केन्द्रीय मंत्री के रूप में किया था । आज जब वे बिहार के मुख्यमंत्री हैं तो निश्चित रूप में, चाहे वह कोशी के क्षेत्र हों, चाहे मिथिलाचल के क्षेत्र में हो, उस जल-जमाव की समस्या को दूर करने के लिए निश्चित रूप में जहाँ कोशी का बांध है, उसके बगल में हजारों एकड़ जमीन वीरान पड़ा हुआ है, वहाँ माखाना और मछली का उद्योग लगेगा । कृषि आधारित उद्योग का विस्तार होगा, यह आपको विश्वास दिलाते हैं । इसकी योजना बन रही है । इस बजट में जो हमारे माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी जी ने जो बजट कल आपके सामने रखा है, आज आप उसको पारित करने जा रहे हैं । उसके अन्दर एक सपना है, जब अगला बजट जो हमारी नीति और नियति का आप देखेंगे तो उस नीति और नियति में आपको स्पष्ट परिलक्षित होगा कि हमारी सरकार और नीतीश कुमार जी की सरकार किस रूप में बिहार का जो सपना के रूप में साकार देने के लिए मूर्त्त रूप में खड़े हैं, निश्चित रूप में बिहारवासियों को शांति मिलेगी और सुख और शांति की जीवन व्यतित कर पायेंगे । इसलिए मैं बिहारवासियों से अपील करता हूँ, खासकर मैं विशेषरूप से हिंसा पर उतारू लोगों से आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूँ कि आओ कि यह महावीर की धरती है, गौतमबुद्ध की धरती है, गाँधी का कर्मभूमि है, चाणक्य और चन्द्रगुप्त का धरती है, लोक नायक जयप्रकाश की धरती है, हथियार को फेंको और बिहार के सामने अगर विकास में लगने की बात हो तो कंधे-से-कंधा मिलाकर बिहार का विकास करके आगे बढ़ो । मित्रों, आज शहरी विकास के लिए....

(व्यवधान)

महोदय, शहरी विकास के लिए, शहरी विकास की दृष्टिकोण से बिहार के अन्दर यह बात निश्चित रूप से है कि बिहार की जनता की आत्मा गाँवों के अन्दर बसती है और जब गाँवों का विकास नहीं हो सकता तबतक शहर का भी विकास नहीं होगा । महोदय, गाँव के विकास के साथ-साथ शहर का विकास होना आवश्यक है । शहर के विकास के लिए सरकार ने कुछ योजनायें बनायी है महोदय। सरकार ने कुछ नीति तय किया है और माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर हमलोग बिहार को, शहरवासियों के लिए एक संदेश भी देना चाहते हैं । सबसे पहला संदेश है कि अगर आप अपने घर को ठीक रखना चाहते हैं, अपना घर, अपना शहर ये हमने संकल्प लिया है कि जिस प्रकार आपका अपना घर है, उसी प्रकार अपने घर को जैसे सुसज्जित और स्वरथ्य बनाये रखते हैं, उसी प्रकार अपने शहर को स्वरथ्य रखिए । अपने शहर को साफ-सुथरा रखिए । जैसे आपका घर, आपका शहर, यह है नीतीश कुमार की सरकार की वह नीति का सपना साकार होते दिखायी पड़ेगा । आपका घर, अपना शहर, अपना घर , अपना शहर । महोदय, बिहार सरकार की जो नीति बंटवारा हुआ तो विभाग के अन्दर मैं अपने विभाग में बैठने के पहले जनता को सहभागिता दिलाने के लिए जनता क्या सोचती है बिहार के अन्दर चूंकि जनता ने हमें यहाँ बैठाया है । हम जनता के लिए उत्तरदायी हैं, इसलिए हमने सड़कों पर जाकर नगर के अन्दर देखा कि रातों-रात हम उठ खड़े हुए, पटना जंक्शन के

टर्न-४१/अंजनी/६.१२.२००५

सामने हम गये, हमने देखा कि वहाँ पर क्या स्थिति है, क्या नारकीय स्थिति थी ? हमने वहाँ पर कहा कि यह तमाम जहाँ पाटलिपुत्रा की प्राचीन धरती है, पाटलिपुत्रा, अशोक की यह जन्मभूमि; है, गुरू गोविन्द सिंह जी की जन्मभूमि है और आज पाटलिपुत्रा के अन्दर कितनी नारकीय स्थिति है । महोदय, जब स्टेशन से उतरियेगा, हवाई अड्डे से कोई आयेगा, देश-विदेश से कोई लोग आयेगा तो आज निश्चित रूप से हमें ही कहेगा कि कैसा शहर है । कैसी यह राजधानी है । इसलिए इस राजधानी को विकसित करने के साथ-साथ बिहार के अन्दर जो १२२ हमारे शहरी निकाय हैं, हम उसे सुदृढ बनायेंगे। हमने सबसे पहले यह तय किया है कि तमाम् १२२ शहरी निकाय जो हैं, हम उसको मजबूत करेंगे । जो पिछली सरकार ने, पूर्ववर्त्ती लोगों ने जो किया है, केवल उन्होंने कोर्ट के निर्देश पर चुनाव करा दिया लेकिन अधिकार आपको नहीं दिया । हम आपको कहना चाहते हैं कि अधिकार हम आपको दिलाने वाले हैं और अधिकार के साथ बहुत-सारे काम हमारे प्रगति पर हैं । हम निकायों को अधिकार देकर के स्वावलम्बी बनाने का काम करने जा रहे हैं ।

(क्रमशः)

श्री अश्विनी कुमार चौबे, मंत्री : क्रमश :, इसलिए स्वावलंबी शहर बनाने के लिए हमारी बहुत-सारी योजनाएं परिलक्षित हैं। हाल ही में जब मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार गया था और पहली बार दो योजना बिहार का जो पूरे देश भर में भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री मनमोहन सिंह जी ने लांच किया है। महोदय, आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि हमने भारत के प्रधानमंत्री जी और भारत के शहरी विकास मंत्री के समक्ष अपनी पृष्ठभूमि को रखने का काम किया है। महोदय, मैं आपको सबसे पहले बताना चाहता हूँ कि जो जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी विकास और नवकृत मिशन योजना २००५ से २०१२ तक के लिए प्रारंभ हुई है। महोदय, इन सात वर्षों में भारत सरकार ने कहा है कि १ लाख करोड़ रूपए हम खर्च करेंगे । इस कार्ययोजना में ६३ शहरों को सम्मिलित किया गया है। जिसमें बिहार से बिहार और बोधगया को शामिल किया गया है। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को आमंत्रण मिला था। हमलोग उनका निदेश लेकर के गए थे और मैंने जो रूप देखा, महोदय, मैं सही में कहता हूँ कि आज बिहार के बारे में जो भ्रांति थी उस भ्रांति को हमने दिल्ली में जाकर दूर किया है।

महोदय, १५ सालों तक ये कहते थे, वहां के नगर विकास मंत्री कहते थे, माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी कहा कि बिहार के अंदर यह सोच नहीं होगा। वहां के तमाम सेक्रेटरीज कह रहे थे कि बिहार विकास के बारे में भी सोच सकता है ! लेकिन, हमने माननीय मुख्यमंत्री जी के निदेश पर वहां संकल्प लिया और शहरी विकास के बारे में योजनाऐं बताई। महोदय, मुझे उन तमाम लोगों ने आकर प्रोत्साहित किया। मैं उन सब लोगों को इस सदन के माध्यम से धन्यवाद देता हूँ, अब बिहार की छाया बदल चुकी है, सबलोग नीतिश कुमार जी के बारे में वहां पूछते थे। मुझे विश्वास है चाहे वह कांग्रेसी हों, चाहे कम्युनिस्ट बंधु हों, पूरे देश भर से लोग आए थे और सबलोग कह रहे थे। कलकत्ता के लोग कह रहे थे कि बिहार को बचाइये। बंगाल में सी०पी०एम० की सरकार है, लेकिन उन्होंने कहा कि अब बिहार का विकास होगा, हमें विश्वास है। महोदय, आज बिहार के ऊपर पूरे देश की आशाभरी निगाह है और समस्त देश की जनता बिहार को प्रेमानुभूति से सहला रहे हैं। चूँकि १५ साल तक बिहार में जो कांड हुआ, बिहार में जो विकास की रेखा समाप्त हो गयी थी, आज हम निश्चित रूप से आगे बढ़ने की दिशा में पहल कर रहे हैं।

महोदय, हमारे यहां जो वर्तमान स्थिति है, यहां पांच नगर-निगम हैं, जिसमें भागलपुर,मुजफ्फरपुर, दरभंगा और उसके अलावा दो पटना और गया भी हैं। बोधगया को उस योजना में लिया गया है, ६३ में से दो शहर तय किया गया। हमने भारत सरकार के प्रधानमंत्री जी से आग्रह किया कि आपने हमारे यहां विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक दृष्टिकोण से जो चयन किया है, पर्यटन के दृष्टिकोण से बोधगया तो एक छोटा-सा केन्द्र है। उसको गया के रूप में विकसित कीजिए और पूरे गया के रूप में उसको एडाप्ट कीजिए ताकि गया की लगभग ५ लाख की आबादी को फायदा हो तो उन्होंने लगभग इसको स्वीकार कर लिया। इस तरह से पटना गया को स्वीकार करने के बाद हमने कहा है कि भागलपुर बिक्रमशिला विश्वविद्यालय, नालंदा विश्वविद्यालय जो बौद्धकाल, मौर्यकाल का है, जो चाणक्य, दानवीर कर्ण की भूमि रही है, जो बिहला और विषहरी की भूमि है उन सबको लिया जाय साथ ही जैन संप्रदाय के तमाम धर्मावलंबी जहां अपना माथा टेकते हैं उसको भी लिया जाय। भागलपुर जहाँ पटना के बाद दूसरा व्यवसायिक केन्द्र है, जो सिल्क नगरी के रूप में भी जाना जाता है को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित कर उस शहर का विकास किया जाय, जो आवश्यक है। महोदय, मैं उस शहर से विधायक भी हूँ। महोदय, हमने कहा भागलपुर की तरह मुजफ्फरपुर, वैशाली की धरती जहाँ लोकतंत्र का उदय हुआ और कालांतर में लोकतंत्र समाप्त हो गया था। अब हमने लोकतंत्र की स्थापना फिर से बिहार में किया है।

इसमें वैशाली को भी उस सर्किट में लिया जाय और मुजफ्फरपुर, दरभंगा जहाँ मिथिला की संस्कृति है, जहां भगवान राम अयोध्या से चलकर के जनक की भूमि पर पहुंचे थे, जहां स्वयंवर हुआ था राम जी का, इसलिए उस जानकी की धरती को हम भुला नहीं सकते और हम मिथिलांचल को भी आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करेंगे।

महोदय, हमने कहा है कि छपरा जहां से डा० राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति हुआ करते थे। डा० राजेन्द्र प्रसाद की वह धरती जो पुराना सारण कहलाता था, उस छपरा शहर को, बिहारशरीफ को, राजगीर को साथ ही साथ पूर्णियां, सहरसा, मुंगेर आदि तमाम शहरो को, जो खासकर के जिला केन्द्र हैं उन शहरों को उस योजना के तहत डालकर और जितने भी हमारे जिला मुख्यालय हैं उनको आगे बढ़ायेंगे। महोदय, जो भी हमारे जिला के मुख्यालय हैं, जिला का मुख्य केंद्र है, शहर हैं हमनें उन तमाम शहरों के लिए भारत सरकार से आग्रह किया है कि हमें १० हजार करोड़ रूपया के स्पेशल पैकेज दिये जांय। महोदय, हमने आग्रह किया है कि १० हजार करोड़ रूपया हमें अनबद्ध रूप से दीजिए ताकि इनफ्रास्ट्रक्चर को हम डेवलप करते हुए काम करें। हमारे पास तकनीशियन नहीं है, इंजीनियर नहीं है, कहीं कोई निकाय केन्द्र के अंदर इंजीनियर नहीं है, विभाग के अंदर कोई इंजीनियर नहीं है। इसलिए हमने उनसे आग्रह किया और तुरंत मेरे आग्रह को मेरे कहते ही अरबन मिनिस्टर ने घोषणा कर दिया कि हम आपको अच्छे तकनीशियन देंगे ताकि जो इतनी बड़ी योजना है, इतने करोड़ रूपए की योजना है वह सफल हो सके।

महोदय, अब उसका डीटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनेगा और इसके लिए हमें भारत सरकार तकनीशियन भी उपलब्ध करायेगी, हम उनको इसके लिए साधुवाद देते हैं। महोदय, तकनीशियन जब उपलब्ध हो जायेगा तब उस तकनीशियन के आधार पर बिहार के १२२ शहरों के लिए मास्टर प्लान बनाने वाले हैं। हमें तमाम पिछले मास्टर प्लान को फिर से एक बार देखने की आवश्यकता है उसको देखकर के नये ढंग से आपका सुझाव लेकर के करेंगे और उसके लिए हमने सबसे पहला कदम आगे बढ़ाते हुए घोषणा किया अपने विभाग के लोगों से, आगामी १५ दिसम्बर को माननीय मुख्यमंत्री जी उद्घाटन करने जा रहे हैं। पूरे शहर के १२२ निकायों के अध्यक्ष, मेयर और तमाम ऐसे पदाधिकारी जो हैं उसके साथ-साथ सभी संबंधित १२२ निकायों के जो विधायकगण हैं, उनको भी आमंत्रित किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी उस सत्र का उद्घाटन करेंगे और उसके साथ-साथ माननीय उप-मुख्यमंत्री उस कार्यक्रम की शोभा को बढ़ायेंगे। हमसब लोग उस उद्घाटन सत्र के बाद मिल बैठकर के जनता की क्या समस्या है,क्या जन-समस्या है, हम पहले देख लेंगे और उन तमाम लोगों से सुझाव लेंगे फिर इसपर विचार करेंगे और अगले जनवरी महीने में सभी क्षेत्रों में खंडवाइज, कमीश्नरीवाइज डी-सेंट्रलाइज करके सभी निकायों की समीक्षा भी करेंगे और वहीं बैठकर के निर्णय लेने का काम करेंगे। ऐसा हमने तय किया है महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि १२२ नगर निकायों में ८५ नगर पंचायत हैं और ३२ नगर परिषद् हैं ५ नगर निगम हैं। महोदय, २००४-०५ की वित्तीय स्थिति ७२०८.८२३ लाख रूपया योजना मद में विमुक्त किया गया था। २००५-०६ में हमनें अपने वित्तीय वर्ष में शहरों को अधिक से अधिक आधारभूत नागरिक सुविधाऐं देने का काम किया है। पीने के लिए पानी नहीं है, सड़ा हुआ पानी पीने के लिए मिलता है। इसलिए हम पेयजल की आपूर्ति के लिए भी योजना बना रहे हैं और विशेषकर के पटना और बगल के गया के लिए चूँकि दोनों शहर के लिए हमें तुरंत ही डी०पी०आर० बनाकर के भारत सरकार को भेजना है इसलिए हमने उसके लिए अलग से योजना बनाने का काम शुरू कर दिया है। महोदय , हमनें २००५-०६ के लिए योजना मद में निम्नांकित कार्यक्रमों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित किया है। इसमें पेयजलापूर्ति जो चालू योजना है उसके लिए हमारी प्रस्तावित राशि योजना मद में ३२८४ लाख रूपया करनेवाले हैं। महोदय, पेय जलापूर्ति की जो नयी योजना है उसमें ७१४२.०२ लाख रूपया हम देनेवाले हैं।

टर्न-४३/०६.१२.२००५
ज्योतिःबबलू

श्री अश्विनी कुमार चौबे, मंत्री : क्रमश......... सफाई एवं स्वच्छता संबंधी अन्य कार्यों के लिए ४१४२.२ लाख बहादुरपुर आवासी योजना के अंतर्गत जल जमाव दूर करने के लिए पटना के अंदर ६४ लाख रुपया महोदय, बिहार राज्य जल पर्षद को अनुदान देने के लिए २८६.९९ लाख रुपया, केन्द्र प्रायोजित योजना हेतु राज्यांश शहरी स्वर्ण जयंती रोजगार योजना के तहत जिसके तहत गरीबों को रोजगार देने का कार्य होगा और जो गरीब महिलाएं बिलो पोवर्टी लाईन से गुजर रही हैं, उनको आगे बढ़ाने के लिए शहरी स्वर्ण जयंती रोजगार योजना के तहत १५६ लाख रुपया देने वाले हैं और आई०डी०एस०एम०टी० चालू योजना के लिए ३५१.५२ लाख रुपये आवंटित किए हैं और नागरिक सुविधाओं के लिए ५७१ लाख रुपये और साथ ही मास्टर प्लान जो हमने अभी कहा मास्टर प्लान तैयार करने के लिए परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के लिए और उसकी क्षमता संबर्द्धन करने के लिए ३ सौ लाख की परियोजना बनायी है । सड़कों की हालात चाहे वह नगर निकायों या नगर पंचायत या नगर परिषद् में उनके जीर्णोद्धार के लिए ३ हजार लाख हमने उसके लिए भी योजना बना रखी है । कुल मिलाकर के २२३ करोड़ ३७ लाख ८६ हजार की यह हमारी २००५-२००६ की योजना है और इसे तीन महीने में खर्च करना है । लेकिन हमारे पास तकनीशियन नहीं हैं, इंजीनियर नहीं हैं इसलिए हमने उसके लिए भी कल माननीय मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अंदर हमलोगों ने उसपर भी विचार किया है, महोदय । हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय उप मुख्मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी जी जो यहाँ पर विराजमान हैं गम्भीरता से उसपर सोच रहे हैं, मंथन कर रहे हैं । सरकार उस पर निर्णय शीघ्र ही करने जा रही है । महोदय, इन योजनाओं को मुख्य रूप से पेय जलापूर्ति जल और मल की निकासी पथ निर्माण एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित योजनाएं प्रस्तावित हैं, महोदय और मीठापुर बस पड़ाव जो है, महोदय उसके लिए २४३.७८ लाख रुपये कर्णांकित है । उसी प्रकार से पटना के प्रमुख पथों में और जो शहरों के अंदर जो मुख्य रुप से प्रकाश हेतु जो है महोदय, उसके लिए लाईटिंग की व्यवस्था महोदय २५ सौ लाख रुपये हमने रखा है । राज्य के शहरी स्थानीय निकायों को प्रशासनिक भवनों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार हेतु ४२२५ लाख रुपये आवंटित किए हैं । पटना एवं गया शहरों के ठोस अवशिष्ट के प्रबंधन की समस्याओं का अध्ययन एवं योजना तैयार करने हेतु महोदय, उसके लिए हमने १६८ लाख रुपये कहा है । महोदय, चालू वर्ष में राज्य के १२२ निकाय पर्षद के तमाम पार्षदों का प्रशिक्षण, प्रशिक्षणय करने के साथ-साथ हम चाहते हैं कि उनकी क्षमता में बर्द्धग्न हो और अत्याधुनिक ट्रेनिंग के लिए व्ययवस्था करने के लिए महोदय, इसके लिए हमने योजना मद में १ सौ लाख रुपया कर्णांकित किया है । साथ ही हुडा के माध्यम से जो ३ सौ लाख रुपया उसमें प्रस्तावित हैं, उस योजना की हमने स्वीकृति दे दी है और इसके लिए ए०टी०आई० की सहयोग से प्रशिक्षण की व्ययवस्था हमारी प्रारम्भ हो रही है, महोदय । हम तमाम वार्ड पार्षदों को भी उसके द्वारा प्रशिक्षित करेंगे ताकि वे अत्याधुनिक कैसे बन सकें, यह योजना हमारा चालू है, महोदय । चालू वर्ष में भागलपुर, मुजफ्फारपुर, गया, दरभंगा, छपरा, बिहारशरीफ तथा आरा शहरों को मास्टर प्लान हुडकों के माध्यम से तैयार करने का हमने लक्ष्य रखा है महोदय और अन्य शहरों को भी हम हुडकों और अन्य ऐसे कंसलटेंट के साथ भारत सरकार के साथ माननीय प्रधानमंत्री के उस योजना के कार्यक्रम में हम गए थे और अर्बन मिनिस्टर से हमारी बात हुई है और वह शीघ्र ही हमें उसकी सूची तैयार करने जा रहे हैं। उस सूची में जो भी अच्छे कंसलटेंट होंगे, जो भी अच्छे तकनीशियन होंगें हम उनका सहयोग लेकर तमाम शहरों के विकास के लिए हम मास्टर प्लान भी बनाने जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पटना, गया जलापूर्ति से संबंधित परियोजनाएं हैं महोदय, उन परामर्शियों के माध्यम से तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है, सभी कार्यो के लिए दो सौ लाख रुपया महोदय रखा

टर्न-४३/०६.१२.२००५
ज्योतिःबबलू

है । महोदय, राज्य के सारी शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्ति की जो हमारे अंदर है उस शक्ति को बढ़ाने के लिए १० लाख रुपये तक की योजना नगर पंचायत को दे दिए हैं । महोदय, अभी होता क्या था ५ हाजार रुपये का भी और १० हजार रुपये का भी जो काम होता था उसके लिए सचिवालय आना पड़ता था और सचिवालय में महीनों दिन तक फाईल पड़ी रहती थी और मार्च होता था लूट होता था और हमने उस लूट को भी बंद करने का काम किया है । इस बार हमने कहा है कि १० लाख रुपया तक जो होगा नगर पंचायत और नगर परिषद है उनको दे दिया है अधिकार और ५ लाख रुपये का नगर पंचायत को अधिकार दिया है, यह महोदय करने जा रहे हैं। हमने आदेश कर दिया है महोदय ,राज्य के सभी नगर निकाय को डबल इन्ट्री सिस्टम के माध्यम से महोदय जो लेखा एकाउंट्स हैं उसको और पारदर्शी कैसे बनाया जाय तो नगर निगमों ने ठीक ही कहा, हमारे माननीय विधायकों ने कि तीन साल-पाँच साल के सारे एकाउंट्स को और वह जाँच करायी जाय और हम कहना चाहते हैं कि नगर निगम के तमाम जो पदाधिकारी हैं - निश्चित रुप में बिहार के अंदर करों की चोरी हो रही है तो करो की चोरी को हम पूरी तरह से इस पर हम लगाम लगाने का काम करेंगें । बिहार में नीतीश कुमार जी और सुशील कुमार मोदी जी के नेतृत्व में बेलगाम घोड़ा नहीं लगाम वाला घोड़ा दौड़ेगा और मैं आपसे कहना चाहता हूं कि करों की चोरी और वृद्धि नहीं करेंगें ऐसे पदाधिकारी और ऐसे कर्मचारियों को मैं, बिहार की जनता के आप आवाम हैं, कान खोलकर सुन लीजिये जो पदाधिकारी करों को बढ़ायेंगें और जो कर्मचारी करों को अच्छी तरह से उसका वसूल करेंगे हम उन्हें सम्मानित करेंगें समय समय पर और जो पदाधिकारी और कर्मचारी चोरी करते हैं और करों की वंचना और जिस प्रकार से करों की चोरी हो रही है अगर उसको लूट के रुप में परिवर्तन करेंगे तो मैं ऐसे लोगों को बकसने वाले नहीं हैं, ऐसे लोगों को बकसेंगे नहीं । महोदय, हम पटना तथा गया शहर में जलापूर्त्ति एवं मल जल निकासी हेतु वाह्य सहायता के द्वारा भी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए हमने आमंत्रित किया है । महोदय, बहुत सारे बाहर के भी लोगों का आमंत्रण धीरे धीरे आ रहा है और विदेश से भी लोग आयेंगें । महोदय, हमने उसके लिए यहाँ आवासीय व्यवस्था के लिए हुडको से भी बात कर रखी है । रिलायंस कंपनी, सहारा कंपनी , उसके द्वारा अच्छे-अच्छे कॉलोनी यहाँ बसाने की बात चल रही है । महोदय, उसके लिए भी हम बैठक करके शीघ्रातिशीघ्र इसको एक कार्य रुप देने का काम करेंगे । महोदय, १२२ नगर के अंदर जो यहाँ करों का निर्धारण यूनिट एरिया के आधार पर हम करने जा रहे हैं । अभी तक यूनिट एरिया कितने वर्ग फीट में रहते हैं उसके आधार पर कर का वंचन होगा । हमने कहा कि आपका कितना घर है , कितने स्कवायर फीट में रहते हैं स्वयं आप अपने से लिखकर स्वेच्छा से नगर निकायों में जमा करिये ताकि आपके कर का निर्धारण ठीक से हो सके । महोदय, उसके साथ ही १२ वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अंतर्गत शहरों के विकास की समस्याओं के लिए पेय जलापूर्त्ति तथा अन्य जल निकासी योजनाओं के लिए हमने निम्नलिखित निर्देश किया है । पटना नगर निगम को महोदय ५५ लाख रुपया और गया के लिए २५ लाख, भागलपुर नगर निगम के लिए २० लाख, मुजफ्फरपुर नगर निगम के लिए २० लाख, दरभंगा नगर निगम के लिए २० लाख, पूर्णिया नगर परिषद् के लिए १० लाख, सहरसा नगर परिषद् के लिए १० लाख, छपरा नगर परिषद् के लिए १० लाख, मुंगेर नगर परिषद् के लिए १० लाख । इन तमाम और अन्य शहरों के लिए हमारी फाईल पड़ी हुई है उसको भी शीघ्र करने जा रहे हैं । महोदय, सारे शहरों के लिए हमने पहले कह दिया है कि सभी शहरों के लिए किया जा रहा है । महोदय, यह पहले से योजना थी। मैं बैठ करके सभी शहरों का मैंने पहले कह दिया कि १२२ शहरों को हम राशि देने जा रहे हैं और वह राशि तीन महीने में आपको खर्च करना है । सभी १२२ शहरों को देने जा रहे हैं जो पहले से प्रस्तावित था और भी सारे प्रस्तावित योजना को मूर्त रुप देने वाले हैं । महोदय, सीमा क्षेत्र के

टर्न-४३/०६.१२.२००५
ज्योतिःबबलू

विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जो ७६ लाख रुपये जो जयनगर का सीमा क्षेत्र है, जय नगर शहरी क्षेत्र के पथों का विकास उन्नयन कार्य के लिए हम दे रहे हैं । पटना शहर में नगरी यातायात के लिए महोदय हमने डिटेल प्रोजेक्ट हमने उसका बनवा रहे है । जो यहाँ पर ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था नहीं है महोदय, उसके लिए हमारे ये नगर विकास मंत्री ने हमसे कहा कि आप प्रोजेक्ट बना करके भेजिये और निश्चित रुप से प्रोजेक्ट पर विचार करेंगें । हमने कहा है कि पटना में मेट्रो-मेट्रोपौलिटन सीटी होने जा रहा है १० लाख से ज्यादा की आबादी, यहां २० लाख की आबादी पटना की होने जा रही है इसलिए मैट्रोपौलिटन की भी प्रक्रिया हमारी जारी है । उसके लिए हम यहाँ मेट्रो रेल कैसे चला सकते हैं ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके । गंगा के किनारे , जो हमारी गंगा के किनारे को भी हमने देखा है महोदय, उसके लिए रींग रोड के रुप में साथ ही साथ जिस प्रकार से बम्बई के अंदर मुम्बई में हाँ उसी के तट पर महोदय, इसको मैरिन ड्राईव के तर्ज पर हम यहाँ भी पटना में सड़क निर्माण की योजना बना रहे हैं । चौपाटी की तरह जिस प्रकार से मुम्बई में चौपाटी जाकर के लोग आनंद लेते हैं गर्मी के महीनों में हमारे यहाँ गंगा के बाहर जाकर देखेंगे महोदय, हमने इसको देखा है जहाँ ये भूमि विरान पड़ी हुई है और उसके बाद वह द्वीप समूह की तरह है उसके बाद फिर से गंगा है वहाँ पर सैर करने के लिए लोगों को निश्चित रुप से एक चौपाटी की तरह एक योजना और खासकर के जो हमारे यहाँ स्लमस के लोग बसते हैं ८५ लाख महोदय, इस शहर के अंदर पूरे बिहार में शहर के अंदर लोग शहरी क्षेत्र में है । आपको जनकर आश्चर्य होगा कि ११ प्रतिशत लोग मात्र, बिहार में शहरीकरण है महोदय और २७.८ प्रतिशत राष्ट्रीय औसत है, महोदय । हमने माननीय प्रधानमंत्री जी से आग्रह किया है कि हम कैसे शहरीकरण करें ? हम शहर के लिए कैसे आगे वढ़ें और इसके लिए जो हमारा लक्ष्य २७.८ प्रतिशत होगा इसलिए उसी लक्ष्य को हम आगे बढाने के लिए आगे बढ़ते जा रहे हैं । महोदय, हमने यह तय किया है महोदय कि हमने शहरी संकुल जो कुल मिलाकर १ करोड़ है जिसको अरबन एग्लनों रिलेशन कहते हैं उसके तहत १२० लाख यानी लगभग १ करोड़ २० लाख की आबादी शहरों की हो चली है। महोदय, उसके लिए आधारभूत संरचना इत्यादि के लिए राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मीशन योजना के अंतर्गत दर्जनों शहरों को समावेश करने के लिए हमने कहा है । राज्य सरकार द्वारा कानून अनिवार्य एवं ऐच्छिक सुधारों को लागू करने के लिए हमने प्रारम्भिक कार्रवाई किया हे महोदय। ७४ वें संविधान संशोधन के आलोक में पदत्त अधिकारों को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हम सभी नगर निकाय के निर्वाचित प्रतिनिधियों को हम अधिकार सौंपने वाले हैं । साथ ही उनके अधिकार कार्यों के द्वारा जो नगर निकाय का काम होगा हम उनके माध्यम से करायेंगे ताकि वो पूरी तरह से स्वतंत्र हों, पूरी तरह से वो संवर्द्धन करें और अपने अपने निकायों में अपना संसाधन और बढ़ाने का काम करें । ये उनका दायित्व होगा वो जितना संसाधन बढ़ायेंगे सरकार उनको उतना ही सहयोग करने के लिए तत्पर रहेगी। क्रमशः....

टर्न-४४/ ०६-१२-२००५ विजय

श्री अश्विनी कुमार चौबे, मंत्रीः क्रमशः निश्चित रूप से महोदय निकायों के लिए लेखा संधारण की जो डबल इंटरी की बात मैंने कहा डबल इंटरी सिस्टम हम लागू करने जा रहे हैं । साथ ही पटना नगर निगम को पूर्णरूप से कम्पुटरीकृत करने का हमारी तैयारी हो गयी है उसके लिए राशि भी हमने उपलब्ध करा दिया है महोदय । और पूरे बिहार के अंदर कई शहरों को हम चरणबद्ध रूप से कंपुटरीकृत करने की हमारी योजना प्रारंभ होने जा रही है महोदय । महोदय, हमने पटना के अंदर दो प्रकार की योजना हमारे मन के अंदर है महोदय और उसको लागू करने जा रही है हमारी सरकार और एक मल्टीप्लेक्स जिसको मल्टीप्लेक्स कहते हैं जहां दूकान भी होते हैं, सिनेमाघर भी होता है , और साथ साथ आपको पूरी तरह से जो मनोरंजन वगैरह का होता है उसमें मेट्रोपोलीटन बहुत सारे शहरें जिसमें आप कह सकते हैं बड़ौदा के अंदर, जामनगर के अंदर पूरे देश के अंदर कई शहरों में यह सिस्टम लागू है महोदय । मल्टीप्लेक्स सिस्टम जिसको मुबंई के अंदर में जो आइनेक्स कहलाता है महोदय । आइनेक्स की तर्ज पर जैसे मुबंई में ए०डी०बी० पिक्चर्स जो यू०एस०ए० का महोदय है उसको उन्होंने इसको शाकर स्टार्स के रूप में कहा है महोदय शापिंग वाल शापिंग वाल के रूप में हम उसको पूरी तरह से जहां एक साथ आपको अभी आप दिल्ली में जाते हैं महोदय दिल्ली में अंसल प्लाजा का नाम देखा होगा महोदय एक ही जगह आपको शहर भी लगे वहां सारे दूकान भी रहते हैं आपको चलने के लिए और आपको सारे सामान भी मिल जाते हैं और आपके मनोरंजन के लिए साधन भी है महोदय । हम वह भी लागू करेंगे महोदय । महोदय, हम १२२ शहरी निकायो के लिए अलग अलग मास्टर प्लान बना रहे हैं महोदय । सभी शहरों को हम सुविधा देंगे । कहीं किसी को भी संकुचित होने की जरूरत नहीं है ।हम सभी शहरों को महत्व देते हुए और सबको आगे बढ़ाने का काम करेंगे महोदय ।महोदय, हम स्वास्थ्य के लिए, नाला के लिए, पेयजल के लिए और शिक्षा के लिए सफाई के लिए इन तमाम चीजों के लिए संसाधन जुटा के करेंगे । महोदय, हुडको से शहरों की आवासीय सुविधा को हम आगे बढ़ाने का काम करने जा रहे हैं और साथ साथ महोदय स्थानीय निकायों का चुनाव सशक्त और मॉडल बनाने के लिए एक आर्थिक संसाधन को भी हम जुटा रहे हैं महोदय । अद्योगिक घरानों और विद्यालयों आदि को गंदी बस्ती को दूर करने के लिए गंदी बस्ती के लिए खासकर जो लोग आज सर पर मैला रखकर के जो मैला ढोने की पद्धति है महोदय हमने कहा है अपने तमाम वो पैसे पड़े हुए थे महोदय १५ सालों से हमने कहा कि ६ महीने के अंदर उस पैसे से विकास होना चाहिए । महोदय इंदिरा आवास के बारे में भी हमने निश्चित रूप से शहर के अंदर और गरीबों के लिए स्लम एरिया में रहने वाले लोगों के लिए हम उसका काम करेंगे महोदय । महोदय दो मिनट और आपका समय लेना चाहेंगे महोदय महोदय, राज्य सरकार के द्वारा जो भी ये कार्य हैं उसको हम करने जा रहे हैं महोदय । आपको विश्वास दिलाते हैं महोदय कि हम इन तमाम समस्याओं का समाधान करके और जो हमारे सुधार की बात है महोदय हम उस सुधार को भी लागू करने जा रहे हैं । और सभी सुधारों को लागू करके अंतिम में जो निराकरण के जो उपाय हैं महोदय हम उसका भी निराकरण करेंगे ।

महोदय, जिन्होंने अपने प्रस्ताव को जिन्होंने हमारे बचौल जी जिन्होंने कटौती का प्रस्ताव दिया है मैं बचौल जी से कहता हूं आप जयनगर क्षेत्र से देखा आपने कि जयनगर के लिए हम क्या करने जा रहे हैं और इसलिए आपसे आग्रह करूंगा कि आप कटौती का प्रस्ताव कृपया वापस लें और आप हमारे विकास में सहभागी बनें ।

अध्यक्षः क्या माननीय सदस्य श्री हरिभूषण ठाकुर अपने कटौती प्रस्ताव को वापस लेना चाहते हैं ?

श्री हरिभूषण ठाकुरः नहीं सर, नहीं ।

टर्न-४५/६-१२-०५ श्रीरमण ।

अध्यक्षः प्रश्न यह है कि-

इस शीर्षक की मांग १० रू० से घटायी जाय ।

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अध्यक्षः अब मैं मूल प्रस्ताव को लेता हूं ।

प्रश्न यह है कि-

नगर विकास विभाग के संबंध में ३१ मार्च, २००६ को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान में जो व्यय होगा उसकी पूर्त्ति के लिए ३,०२,२९,३७,००० (तीन अरब दो करोड़ उनतीस लाख सैंतीस हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

यह मांग स्वीकृत हुई ।